dinbandhunews.com | dinbandhunews.com/epaper | Twiter.com | facebook.com | Instragramcom

दैनिक दीन बन्धु

राजधानी का अखबार

RNI.NO. MPHIN/2012/42537
भोपाल, गुरुवार
01.05.2025
वर्ष : 13
अंक : 141
पृष्ठ : 8 मूल्य : 1/-
युगाब्द 5127
विक्रम संवत 2082

अक्षय तृतीया पर चारधाम यात्रा शुरू

गंगोत्री-यमुनोत्री धाम के कपाट खुले, उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

देहरादून ■ एजेंसी

गंगोत्री धाम के कपाट आज बुधवार को अक्षय तृतीया के दिन श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए हैं। इसके साथ ही करीब 6 महीने तक चलने वाली चार धाम यात्रा की शुरुआत हो चुकी है। इससे पहले मां गंगा की डोली मुखबा से आज सुबह गंगोत्री धाम पहुंची। राजपूताना राइफल्स के बैंड की धुनों के बीच गंगा की पूजा-अर्चना की गई। हेलिकॉप्टर के माध्यम से मंदिर में फूल भी बरसाए गए। पूजा के दौरान 1 हजार से ज्यादा श्रद्धालु मौजूद थे। उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने भी पूजा-अर्चना की। गंगोत्री के बाद अब यमुनोत्री धाम के कपाट सुबह 11.55 पर खोल दिए जाएंगे। यमुनोत्री धाम पर 10 हजार से ज्यादा श्रद्धालु मौजूद हैं। बता दें कि वहीं यमुनोत्री धाम में मां यमुना के आगमन और मां यमुना के मायके खरसाली गांव में यमुना जी की विदाई की तैयारियां जोरों से चल

रही हैं। इसी अवसर पर कई पर्यटक पहले से ही आ चुके हैं। अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर मां यमुना की डोली आज सुबह 8:30 बजे सुबह खरसाली गांव से यमुनोत्री धाम के लिए रवाना हुई थी और धाम में पहुंचकर स्नान आदि के बाद 11:55 पर श्रद्धालुओं के लिए मंदिर के कपाट खोल दिए जाएंगे। इस बार पर्यटकों को परेशानियों का सामना न करना पड़े इसलिए प्रशासन ने ये नियम बनाए हैं। इस बार यात्रा मार्ग पर कुल 624 सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मोदी सरकार का बड़ा फैसला

देश में आजादी के बाद पहली बार जातिगत जनगणना होगी

नईदिल्ली ■ एजेंसी

देश में आजादी के बाद पहली बार जाति जनगणना कराई जाएगी। केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को जाति जनगणना को मंजूरी दी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इसे मूल जनगणना के साथ ही कराया जाएगा। देश में इसी साल के आखिर में बिहार विधानसभा के चुनाव होने हैं।कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दल जाति जनगणना कराने की मांग करते रहे हैं। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि जाति जनगणना की शुरुआत सितंबर में की जा सकती है। हालांकि जनगणना की प्रोसेस पूरी होने में एक साल लगेगा। ऐसे में जनगणना के अंतिम आंकड़े 2026 के अंत या 2027 की शुरुआत में मिल सकेंगे। देश में पिछली जनगणना 2011 में हुई थी। इसे हर 10 साल में किया जाता है।इस हिसाब से 2021 में अगली

जनगणना होनी थी, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण इसे टाल दिया गया था।जाति जनगणना के ऐलान के बाद राहुल गांधी ने कहा- आखिरकार सरकार ने जाति जनगणना की बात कह दी है। हम इसे सपोर्ट करते हैं, लेकिन सरकार को इसकी समय सीमा बतानी होगी।

गृह मंत्री अमित शाह का बयान

पीएम मोदी की कैबिनेट में हुए फैसले को ऐतिहासिक बताया। गृह मंत्री शाह ने कहा, CCPA की बैठक में, आगामी जनगणना में जातिगत गणना को शामिल करने का निर्णय लेकर सामाजिक समानता और हर वर्ग के अधिकारों के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता का संदेश दिया गया है। सामाजिक न्याय के लिए संकल्पित मोदी सरकार ने आज एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है।

जाति जनगणना के फैसले का राहुल गांधी ने किया समर्थन

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को नई दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर केंद्र सरकार के जाति जनगणना करने के फैसले की तारीफ की है। राहुल गांधी ने कहा कि, हम जाति जनगणना कराए जाने का समर्थन करते हैं। लेकिन सरकार हमें बताए कि सरकार किन दिन तक जाति जनगणना कराएगी। इसके साथ राहुल गांधी ने जनगणना के लिए बजट आवंटित करने की भी मांग की है। राहुल गांधी ने कहा कि हमने संसद में कहा था कि हम जाति जनगणना करवाएंगे। हमने यह भी कहा था कि हम 50 फीसदी की सीमा को खत्म करेंगे, जो कृत्रिम दीवार है। नरेंद्र मोदी कहते थे कि सिर्फ चार जातियां (गरीब, मध्यम वर्ग, अमीर और बहुत अमीर), होती हैं। लेकिन इन चारों के भीतर भी कौन कहां खड़ा है, यह जानने के लिए जातिगत आंकड़े जरूरी हैं।

क्या बोले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार?

बिहार के सीएम ने कहा, जाति जनगणना कराने का केंद्र सरकार का फैसला स्वागतयोग्य है. जाति जनगणना कराने की हम लोगों की मांग पुरानी है. ये बेहद खुशी की बात है कि सरकार ने जाति जनगणना कराने का फैसला किया है. जाति जनगणना कराने से विभिन्न वर्गों के लोगों की संख्या का पता चलेगा. इससे उनके उत्थान और विकास के लिए योजनाएं बनाने में सहूलियत होगी. इससे देश के विकास को गति मिलेगी. जाति जनगणना कराने के फैसले के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभिनंदन और धन्यवाद.

ब्रीफ न्यूज

बीजेपी प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा की हार्ट अटैक से मौत

भोपाल। मध्यप्रदेश बीजेपी के प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा की हार्ट अटैक से मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक वे मंगलवार रात को सीहोर के क्रिसेंट पार्क में शादी समारोह में शामिल हुए थे। बुधवार सुबह उन्होंने कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष और उनके दोस्त सुरजीत सिंह चड्ढा से कहा कि मेरी तबीयत ठीक नहीं है, मैं शादी में नहीं रुकूंगा। इसके बाद वे सभी के साथ इंदौर लौट आए। पत्नी ने रास्ते में कहा कि विशेष जूपिटर अस्पताल में चेकअप करा लेते हैं। लेकिन, वे नहीं माने। कहा कि मैंने टैबलेट खा ली है। मुझ पर दबाव मत डालो। मैं बिल्कुल ठीक हूं। उन्होंने घर जाकर खाना खाने के बाद आराम करने को कहा इसके थोड़ी देर बाद उन्हें घबराहट फिर उल्टी हुई और हालत बिगड़ने लगी। अस्पताल लेकर पहुंचे तो डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। सलूजा के निधन की खबर मिलते ही कमलनाथ, शिवराज सिंह चौहान और सिंधिया समेत कई नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी.

छात्रों का इंतजार खत्म :मई के पहले हफ्ते आएगा एमपी बोर्ड का रिजल्ट

भोपाल। मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षाओं के परिणामों का छात्र बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। आपको बता दें कि अब यह इंतजार जल्द ही पूरा होने वाला है। मई के पहले सप्ताह में रिजल्ट जारी होने वाला है। इस बात का निर्देश खुद राज्य के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने अधिकारियों को दिए हैं। मूल्यांकन कार्य पूरा हो चुका है। बता दें कि इस बार मूल्यांकन केंद्र मालव कन्या उमावि में 10वीं और 12वीं की कुल 3 लाख 4 हजार 511 कॉपियां जांच के लिए अन्य जिलों से आई थीं। 13 मार्च 2025 से परीक्षा मूल्यांकन का कार्य शुरू हुआ था। शुक्रवार तक 2 लाख 84 हजार एक कॉपियां जांची जा चुकी हैं। इस बार मूल्यांकन कार्य 25 अप्रैल तक पूरा होना था, जिसको चार दिन पहले ही पूरा कर लिया।

कोलकाता के होटल में आग लगी, 15 की मौत, 22 लोगों को बचाया

कोलकाता। कोलकाता के फालपट्टी मछुआ इलाके में मंगलवार रात एक होटल में आग लगने से 15 लोगों की मौत और 13 लोग घायल हो गए। आग पर काबू पा लिया गया है। 22 लोगों को बचाया गया।पुलिस के मुताबिक, मरने वालों में 2 महिलाएं और 1 बच्चा शामिल है। वहीं, 12 पुरुष मृतकों में से 8 की पहचान कर ली गई है।पुलिस कमिश्नर मनोज वर्मा ने बताया- आग ऋतुराज होटल में रात करीब 8:15 बजे लगी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीमों ने मौके पर पहुंचकर राहत-बचाव का काम शुरू किया। अब तक 14 शव निकाले जा चुके हैं। हादसे की जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम बनाई गई है।शुरुआती जांच में पता चला है कि होटल की चौथी मंजिल पर लगे बिजली मीटर में शॉर्ट सर्किट होने से आग लगी। घटनास्थल पर मौजूद एक शख्स ने बताया कि जान बचाने के लिए कई लोग होटल की छत और खिड़कियों से कूदते नजर आए।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना : सीएम ने उमरबन में सामूहिक विवाह सम्मेलन में 2123 नव विवाहित जोड़ों को दिया आशीर्वाद

कपास उत्पादक किसानों को मिलेगा पीएम मित्र पार्क से लाभ : सीएम यादव

मुख्यमंत्री जनकल्याण योजना में 27 हजार से अधिक हितग्राहियों को 600 करोड़ किए अंतरित

धार ■ विशेष संवाददाता

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार ने गरीब, युवा, अन्नदाता (किसान), और नारी सशक्तिकरण के लिए 4 मिशन लॉन्च किए हैं। हितग्राहियों को कई जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधा लाभ दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास के मूल मंत्र से राज्य सरकार प्रदेश को समृद्ध और सशक्त बनाने के लिए संकल्पित है। युवाओं को रोजगार, लाड़ली बहनों को आर्थिक सहायता, गरीब जरूरतमंदों के निःशुल्क उपचार की व्यवस्था है। जनजातीय क्षेत्रों सहित प्रदेश के किसानों की आय बढ़ाने के लिए राज्य सरकार ने विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं का जाल बिछाया है। हमारा लक्ष्य प्रत्येक खेत तक पानी पहुंचाकर प्रदेश के सिंचित रकबे को 55 लाख हेक्टेयर से बढ़ाकर 1 लाख हेक्टेयर करना है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इसके लिए केन-बेतवा लिंक और पार्वती-चंबल-कालीसिंध लिंक परियोजनाओं की शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि धार को पीएम मित्र पार्क की सौगात केन्द्र से मिली है। यहां 2100 करोड़ से औद्योगिक पार्क आकार लेगा और लगभग 3 लाख रोजगार सृजित होंगे। धार अंचल के किसान कपास की खेती करेंगे तो उन्हें भी अधिक लाभ होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को धार के उमरबन में आयोजित सामूहिक विवाह एवं हितलाभ वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना में प्रदेश के 27 हजार से अधिक संबल हितग्राहियों को 600 करोड़ रुपए की राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार संबल योजना से जुड़ने वाले सभी परिवारों को मुश्किल समय में सहायता प्रदान करती है। पात्र हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड योजना का भी लाभ मिल रहा है। हितग्राहियों का 5 लाख रुपए तक का इलाज फ्री है।

85 लाख किसानों को किसान कल्याण योजना की प्रथम किश्त की 1704.94 करोड़ राशि ट्रांसफर

1870 करोड़ की माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना और 277 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण

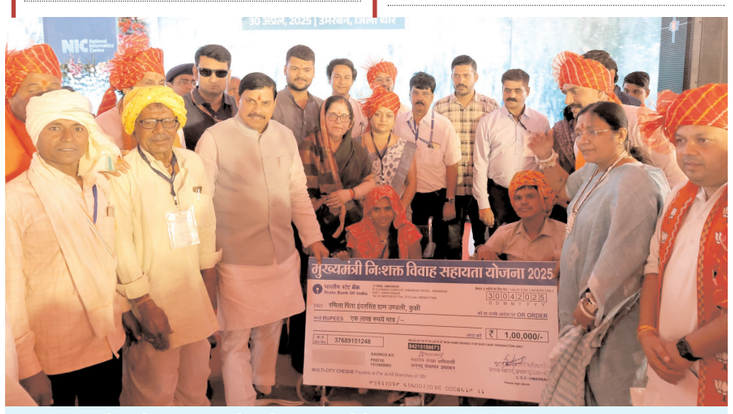

उमरबन में परिणय सूत्र में बंधे 2123 जोड़े

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उमरबन में आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह सम्मेलन में परिणय सूत्र में बंधे 2123 नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि आज उमरबन की धरती से प्रदेश को कई सौगातें मिली हैं। कन्या विवाह योजना में बेटियों को प्रावधान के अनुसार 49 हजार का लाभ दिया जा रहा है। इसके साथ ही सामूहिक विवाह सम्मेलन में कल्याणी विवाह और अन्तर्जातीय विवाह करने पर राज्य सरकार की ओर से 2-2 लाख रुपए की सहायता दी जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विवाह में गैर-जरूरी खर्च से बचा जाए और यह राशि परिवार और बच्चों की पढ़ाई जैसे जरूरी कार्यों पर खर्च किया जाये। उन्होंने कहा कि प्रदेश की बहनों का भाई गरीब से गरीब की बेटी का विवाह कराएगा।

पाणिग्रहण संस्कार का भारतीय संस्कृति में महत्वपूर्ण : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि अक्षय तृतीया भगवान परशुराम जयंती के अवसर पर अत्यंत हर्ष की बात है कि नागदा में सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन हुआ है। आज के दिन शुभ मुहूर्त देखने की आवश्यकता नहीं होती है। पाणिग्रहण संस्कार का हमारी भारतीय संस्कृति में बहुत महत्वपूर्ण स्थान है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव और कर्नाटक के राज्यपाल श्री थावरचंद गेहलोत बुधवार को नागदा के अटल खेल मैदान परिसर में नगर पालिका परिषद नागदा के द्वारा आयोजित मुख्यमंत्री कन्या विवाह/ निकाह योजना समारोह में शामिल हुए।

पीएम मोदी की अध्यक्षता में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड में बड़ा बदलाव

पूर्व रॉ प्रमुख आलोक जोशी बने चेयरमैन, शामिल हुए 7 सदस्य

नईदिल्ली ■ एजेंसी

भारत सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड का पुनर्गठन किया है। इस पुनर्गठन में खुफिया एजेंसी रॉ यानी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग के पूर्व प्रमुख आलोक जोशी को बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह कदम हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद उत्पन्न सुरक्षा स्थिति के मद्देनजर महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बोर्ड में सेना, आईपीएस और आईएफएस के रिटायर्ड अधिकारी शामिल हैं. एनएसएबी राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद को सही तरीके से विश्लेषण और समाधान प्रदान करता है. यह पुनर्गठन पहलगाम आतंकी हमले के बाद हुए तनाव के मद्देनजर महत्वपूर्ण माना जा रहा है. सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड का पुनर्गठन किया है. इसमें पूर्व रॉ प्रमुख आलोक जोशी को इसका अध्यक्ष नियुक्त किया गया है. पूर्व पश्चिमी वायु सेना कमांडर एयर मार्शल पीएम सिन्हा, पूर्व दक्षिणी सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल एके सिंह और रियर एडमिरल मोंटी खन्ना सैन्य सेवाओं से सेवानिवृत्त अधिकारियों को इस बोर्ड में शामिल किया है. राजीव रंजन वर्मा और मनमोहन सिंह भारतीय पुलिस सेवा से सेवानिवृत्त दो सदस्य हैं. बी वेंकटेश वर्मा सात सदस्यीय बोर्ड में सेवानिवृत्त आईएफएस हैं.

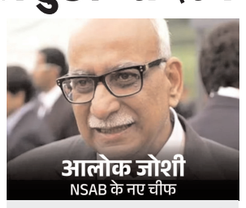

NSAB क्या काम करता है

एनएसएबी एक मल्टीडिसिप्लिनरी बॉडी है, जिसमें सरकार से बाहर के प्रतिष्ठित लोग शामिल होते हैं, इसका मुख्य कार्य राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद को दीर्घकालिक विश्लेषण प्रदान करना तथा उनकी ओर से उठाए गए मुद्दों के लिए समाधान और उससे जुड़े हुए अलग-अलग प्लान की सिफारिश करना है.

पाकिस्तान को भारत की सख्त चेतावनी

सीजफायर तोड़ा तो खैर नहीं...

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर एक बार फिर तनाव चरम पर पहुंच गया है. अब तक पाकिस्तान केवल नियंत्रण रेखा पर ही संघर्षविराम का उल्लंघन कर रहा था, लेकिन अब यह गतिविधियां अंतरराष्ट्रीय सीमा तक बढ़ गई हैं. मंगलवार रात जम्मू के परगवाल सेक्टर में पाकिस्तान की ओर से फायरिंग की गई, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई. इसके चलते बीती रात भारत और पाकिस्तान के सैन्य संचालन महानिदेशकों के बीच हॉटलाइन पर बातचीत हुई, जिसमें भारत ने पाकिस्तानी सेना द्वारा की जा रही बिना उकसावे की संघर्षविराम उल्लंघनों पर कड़ी आपत्ति जताई और चेतावनी दी. बता दें कि

छह रातों से लगातार पाकिस्तान की ओर से गोलीबारी की जा रही है. जम्मू-कश्मीर के कई श्रेष्ट सेक्टर जैसे अखनूर, नौशेरा, सुंदरबनी, बारामुला और कुपवाड़ा में पाकिस्तानी पोस्टों से छोटी हथियारों से फायरिंग हो रही है. अब यह संघर्षविराम उल्लंघन अंतरराष्ट्रीय सीमा तक पहुंच गया है, जहां केवल परगवाल सेक्टर में बीएसएफ की तैनाती है. भारतीय सेना के पास लगभग 20 पाकिस्तानी पोस्टों की तस्वीरें और वीडियो हैं।

इंदौर में चली आंधी, लैंड नहीं हो पाया विमान

एमपी के कई जिलों में तेज हवाओं के साथ बारिश, पेड़ उखड़े, होर्डिंग्स गिरे

इंदौर/भोपाल ■ ब्यूरो

मध्यप्रदेश में बुधवार शाम को आंधी-बारिश का दौर चला। इंदौर में इतनी तेज हवाएं चली कि मुंबई से आई इंडिगो की फ्लाइट लैंड नहीं कर पाई। इसके बाद विमान को भोपाल में उतारा गया। इंदौर में तेज आंधी से एरोड्रम इलाके में एक वाहन पर पेड़ गिर गया। जिससे वाहन चालक को चोट आई है। देवास में भोपाल रोड पर कई पेड़ और होर्डिंग्स भी गिर पड़े।आगर में लगातार दूसरे दिन बेमौसम बारिश हुई। बुधवार दोपहर करीब 3.45 बजे से तेज हवाओं के साथ बारिश होने लगी। जिससे सड़कों पर पानी भर गया। मंदसौर

जिले के शामगढ़ और सीतामऊ समेत आसपास के क्षेत्र में जमकर बारिश हुई। रूपनी चौपाटी पर बारिश के साथ ओले भी गिरे।रतलाम के आलोट में भी तेज हवाओं के साथ करीब एक घंटे तक चली। इस दौरान कई पेड़ उखड़ गए।

विशाखापट्टनम में बारिश से मंदिर की दीवार गिरी, 7 श्रद्धालुओं की मौत

विशाखापट्टनम। आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में मंगलवार रात श्री वराह लक्ष्मी नरसिंह स्वामी मंदिर की दीवार का 20 फीट लंबा हिस्सा गिर गया। हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई और 4 घायल हो गए। मंदिर में चंदनोत्सव चल रहा था। यह हर साल मनाया जाता है। इसमें हजारों श्रद्धालु भगवान नरसिंह के दर्शन के लिए आते हैं। अधिकारियों के मुताबिक, हादसा देर रात 2.30 से 3.00 बजे के बीच तेज बारिश के कारण हुआ। कलेक्टर हरेंद्र प्रसाद ने बताया कि NDRF और SDRF ने रेस्क्यू पूरा कर लिया है।

इंडी गठबंधन में श्रेय लेने की होड़ : शिवराज

जातिगत जनगणना पूरी पारदर्शिता के साथ होगी

भोपाल ■ ब्यूरो

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान बुधवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में मीडिया से मुखातिब हुए। मीडिया से चर्चा की शुरुआत करते हुए पूर्व सीएम ने सबसे पहले प्रदेश प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा के निधन पर कहा, नरेंद्र को याद करते हुए मन भरा हुआ है। इसके बाद चर्चा को आगे बढ़ाते हुए शिवराज ने कहा, आज मोदी जी के नेतृत्व में राजनीतिक मामलों की समिति ने जातिगत जनगणना करने के फैसले पर मुहर लगाई है। जातिगत जनगणना पूरी पारदर्शिता के साथ होगी। सभी वर्गों

के आर्थिक और सामाजिक हितों को ध्यान में रखते हुए देश के हित में होगी। इससे पहले मोदी सरकार ने आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों के लिए 10त्न आरक्षण का फैसला किया था, तब समाज मे कहीं भी तनाव नहीं हुआ था। आज इस मामले को लेकर इंडी गठबंधन में श्रेय लेने की होड़ मची हुई है। मैं राहुल गांधी से पूछना चाहता हूं कि इतने साल कांग्रेस की सरकारें रहीं तब जातिगत जनगणना क्यों नहीं कराई गई?पत्रकार वार्ता के दौरान भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष विधायक भगवान दास सबनानी भी उपस्थित थे। पत्रकार वार्ता के दौरान भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष विधायक भगवान दास सबनानी भी उपस्थित थे।काका कालेलकर की रिपोर्ट किसने दबाई थी। पंडित नेहरू ने क्या किया था? इंदिरा जी ने क्या किया था? मंडल कमीशन की रिपोर्ट आई तब कांग्रेस का रुख क्या था? कांग्रेस ने हमेशा जातिगत जनगणना का विरोध किया। आपको याद होगा 1980 के दशक में जब मंडल कमीशन आया तब इंदिरा जी ने इसका विरोध किया था। जातिगत जनगणना की मांग को तत्कालीन गृहमंत्री ज्ञानी जैल सिंह ने खारिज कर दिया था।

इस्कॉन की भूमिका वैश्विक है, सागर में आध्यात्मिक संस्कृति का हो रहा है सूर्योदय

मुख्यमंत्री ने सागर में 50 करोड़ की लागत से बन रहे इस्कॉन मंदिर की रखी आधारशिला

दीनबन्धु, भोपाल
dinbandhunews.com

भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण के संदेश और भारतीय संस्कृति को इस्कॉन संस्था ने विश्वभर में फैलाया है। भारतीय संस्कृति के प्रसार में इस्कॉन की भूमिका वैश्विक है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कलेक्ट्रेट, उज्जैन के एनआईसी कक्ष से सागर जिले के ग्राम मेनपानी में इस्कॉन मंदिर के भूमि-पूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड अंचल गोपाल कृष्ण के आदर्शों को मानने वाली भूमि है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लगभग 50 करोड़ रुपए की लागत से सागर जिले के मेनपानी की पहाड़ियों में बनने वाले भव्य इस्कॉन मंदिर की वर्चुअली आधारशिला रखी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस्कॉन इंटरनेशनल ने भगवान श्रीकृष्ण के विचारों एवं आदर्शों को देश में और विदेशों में जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के मुखारविन्द से निकले प्रत्येक वचन को 18 अध्याय में संकलित किया गया है, जिसे हम श्रभगवत गीताश् कहते है। इन्हें जनमानस तक पहुंचाने में इस्कॉन इंटरनेशनल की महत्वपूर्ण भूमिका है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सागर जिले में अक्षय तृतीया पर सनातन संस्कृति के सूर्य का उदय हो रहा है। बुंदेलखंड महावीरों की धरती है। ऐसे में भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण के जीवन के प्रसंग का अदभुत समन्वय बनेगा।

मंदिर के लिए भूमि देने वाले परिवार की सराहना

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंदिर निर्माण के लिए भूमि प्रदान करने वाले विवेक यादव एवं उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सभी क्षेत्रों में विकास के प्रयास किए जा रहे हैं। सरकार के साथ जब समाज सहयोगी बनता है तो असंभव माने जाने वाले कार्य भी संभव हो जाते हैं।

रोजगार और पर्यटन के बढ़ेंगे अवसर : गोविंद सिंह राजपूत

इस अवसर पर प्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि सागर में मंदिर बनने पर सागर के लोगों को रोजगार और पर्यटन के अवसर प्राप्त होंगे। उन्होंने कहा कि यह सागर के लिए गौरव की बात है कि हमारे यहां इस्कॉन मंदिर का निर्माण हो रहा है। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि इस्कॉन इंटरनेशनल के पूरे विश्व में अनुयायी है, जो अब सागर आएंगे। उन्होंने कहा कि इस्कॉन मंदिर ट्रस्ट धर्म के साथ-साथ समाज सेवा का कार्य भी करता है।

संस्कारों से हमें प्राप्त होती है सुख-शांति : प्रहलाद पटेल

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि आज के दौर में संस्कारों की आवश्यकता है। संस्कारों से हमें सुख-शांति प्राप्त होती है और अपना जीवन भी सुखपूर्वक व्यतीत कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत के बाहर एवं भारत के अंदर इस्कॉन मंदिर की अनुयायी रहते हैं। अब सागरवासियों के साथ संपूर्ण बुंदेलखंड के लिए इस्कॉन मंदिर के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति करने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम को सांसद श्रीमती लता वानखेड़े, नरयावली विधायक प्रदीप लारिया ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में महापौर श्रीमती संगीता तिवारी, जिला पंचायत अध्यक्ष हीरासिंह राजपूत सहित अन्य जन-प्रतिनिधि एवं अधिकारी सहित बड़ी संख्या में इस्कॉन मंदिर के अनुयायी मौजूद थे।

मेनपानी बनेगा पर्यटन केंद्र: प्राकृतिक सुंदरता की दृष्टि से मेनपानी एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। यह सागर शहर के बहुत नजदीक स्थित पर्वतीय क्षेत्र है। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा धार्मिक और पर्यटन को प्राथमिकता दी जा रही है। इस नाते मेनपानी इस्कॉन मंदिर का निर्माण हो जाने से आने वाले कल का एक महत्वपूर्ण पर्यटन केंद्र बनेगा।

ब्रीफ न्यूज़

महापौर भगवान परशुराम प्रकाट्योत्सव आयोजन में हुई शामिल की पूजा अर्चना

भोपाल। भगवान परशुराम जयन्ती के अवसर पर महापौर श्रीमती मालती राय ने रेल्वे इन्स्टीट्यूट कम्यूनिटी हॉल में आयोजित भगवान परशुराम प्रकाट्योत्सव में सम्मिलित होकर विधिवत पूजा-अर्चना की। परशुराम जयन्ती के अवसर पर बुधवार को गुफा मंदिर के महन्त श्री रामप्रवेश जी महाराज के सानिध्य में आयोजित भगवान परशुराम जन्मोत्सव कार्यक्रम में महापौर श्रीमती मालती राय भी सम्मिलित हुई और विधिवत पूजा-अर्चना की। इसके अतिरिक्त महापौर श्रीमती राय रेल्वे इन्स्टीट्यूट कम्यूनिटी हॉल में आयोजित भगवान परशुराम प्रकाट्योत्सव में भी शामिल हुई और भगवान परशुराम की पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर अनेक पार्षद व जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन मौजूद थे।

अक्षय तृतीया के मौके पर फूल माली समाज ने किया 19 जोड़ों का विवाह

भोपाल। फूल माली समाज जगदीशपुर ईटीखड़ी भोपाल क्षेत्र द्वारा सामूहिक सम्मेलन का आयोजन किया गया । अक्षय तृतीया के मौके पर आयोजित हुए इस सामूहिक विवाह सम्मेलन में 19 जोड़े परिणय सूत्र में बांधे । समाज के द्वारा पिछले 27 वर्षों से लगातार सामूहिक विवाह सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है इस बार ईंटखेड़ी ग्राम पंचायत के सरपंच और सामूहिक विवाह सम्मेलन के अध्यक्ष हरि सिंह सैनी ने 19 जोड़ों का निशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन का कार्यक्रम आयोजित किया था। जिसमें वर वधू से रजिस्ट्रेशन के लिए कोई राशि नहीं दी गई। इसके साथ ही 19 दुल्हों को घोड़े पर बैठाकर डीजे के साथ उनकी बारात निकाली गई । कार्यक्रम राजधानी भोपाल की ईंटखेड़ी ग्राम पंचायत स्थित स्वयंवर मैरिज गार्डन में आयोजित हुआ।

मंत्री सारंग ने वार्ड 75 में फिट इंडिया क्लब के ओपन जिम का किया लोकार्पण

भोपाल। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने बुधवार को नरेला विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 75, द्वारका धाम में फिट इंडिया क्लब के तहत निर्मित ओपन जिम का लोकार्पण किया। इस अवसर पर मंत्री श्री सारंग ने अपने संबोधन में कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है। सरकार का प्रयास है कि प्रत्येक नागरिक को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जाए और उन्हें आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, जनप्रतिनिधि एवं युवा मौजूद रहे। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि ओपन जिम की स्थापना से क्षेत्रवासियों को निःशुल्क फिटनेस सुविधाएं मिलेंगी, जिससे वे अपने व्यस्त जीवन में भी स्वास्थ्य को प्राथमिकता दे सकें। कार्यक्रम के पश्चात बच्चों, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों ने जिम उपकरणों का उत्साहपूर्वक उपयोग भी किया।

खटीक समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन सम्पन्न

भोपाल। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग के मुख्य आतिथ्य व महापौर श्रीमती मालती राय के विशेष आतिथ्य में खटीक समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन सम्पन्न हुआ। अक्षय तृतीया के अवसर पर बुधवार को यादगार-ए-शाहजहांनी पार्क में खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग के मुख्य आतिथ्य एवं महापौर श्रीमती मालती राय के विशेष आतिथ्य में श्री 360 गौत्रीय खटीक समाज का 31वां सामूहिक आदर्श विवाह सम्मेलन सम्पन्न हुआ। सम्मेलन में केबिनेट मंत्री श्री सारंग एवं महापौर श्रीमती राय ने सामूहिक आदर्श विवाह सम्मेलन के आयोजन को अनुकरणीय बताते हुए आयोजनकताओं को बधाई दी साथ ही नव विवाहित वर-वधुओं को भी शुभकामनाएं प्रेषित की। इस अवसर पर श्री 360 गौत्रीय खटीक समाज सकल पंचायत की ओर से मंत्री सारंग एवं महापौर श्रीमती राय का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में खटीक समाज के पदाधिकारी एवं स्वजातीय बंधु उपस्थित थे।

जंबूरी मैदान में संपन्न हुआ सामूहिक विवाह कार्यक्रम में 95 जोड़ों का विवाह

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर व महापौर श्रीमती मालती राय के विशेष आतिथ्य में जंबूरी मैदान में आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम में 95 जोड़ों के विवाह संपन्न हुए। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत अक्षय तृतीया के अवसर पर बुधवार को नगर निगम भोपाल एवं सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के तत्वाधान में जंबूरी मैदान में पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर एवं महापौर श्रीमती मालती राय के विशेष आतिथ्य में सामूहिक विवाह कार्यक्रम में 95 जोड़ों के विवाह संपन्न हुए। कार्यक्रम में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती गौर व महापौर श्रीमती राय ने नव विवाहित वर-वधू को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की। इस अवसर पर महापौर परिषद की सदस्य श्रीमती छाया ठाकुर, जोन अध्यक्ष श्री राजेश चौकसे के अलावा पार्षद श्रीमती उर्मिला मौर्य, श्रीमती ममता विश्वकर्मा, श्री शिवलाल मकोरिया सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, वर वधुओं के परिजन, नगर निगम तथा सामाजिक न्याय विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

अमरनाथ यात्रा के पहले जत्थे के रेलवे रिजर्वेशन कल प्रारंभ होंगे: भटेजा

भोपाल। ओम शिव शक्ति सेवा मंडल भोपाल के सचिव रिंकू भटेजा ने बताया कि इस वर्ष अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से प्रारंभ होकर 9 अगस्त रक्षाबंधन तक चलेगी जो 38 दिनों की रहेगी मंडल का पहला जत्था 30 जून को मालवा एक्सप्रेस से रवाना होगा जो 3 जुलाई प्रथम दिन बाबा बफानीं के दर्शन करेंगा उसके रेलवे रिजर्वेशन कल प्रारंभ हो जाएंगे। रेलवे के अनुसार 60 दिन पहले रिजर्वेशन प्रारंभ हो जाते हैं।

एम्स में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी के नाम पर ठगी

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

भोपाल एम्स में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी लगवाने के नाम पर ठगी का मामला सामने आया है। आरोपी ने गार्ड के रूप में भर्ती कराने के नाम पर 80 हजार रुपए में डील की। बतौर एडवांस 20 हजार रुपए लिए। जालसाज खुद को सिक्योरिटी कंपनी का संचालक बताता था। जहांगीराबाद पुलिस ने शिकायती आवेदन की जांच के बाद एफआईआर दर्ज कर ली है। आरोपी की तलाश की जा रही है। एसआई सुनील भदौरिया ने बताया कि फरियादी राघवेंद्र सिंह की मुलाकात थान सिंह से हुई थी। थान सिंह ने खुद को एम्स में सिक्योरिटी गार्ड उपलब्ध कराने वाली कंपनी का संचालक बताया था। आरोपी ने कहा था कि वह राघवेंद्र की नौकरी भी लगवा देगा। इसके लिए 80 हजार रुपए लगेंगे। गार्ड की ड्रेस उसे कंपनी की ओर से दी जाएगी। आरोपी के झांसे में आया राघवेंद्र राजी हो गया। जहांगीराबाद सेंटर पाइंट के बाहर हुई डील सितंबर 2024 को वह 20 हजार रुपए लेकर सेंटर पॉइंट के पास पहुंचा। यहां पहले से मौजूद आरोपी को रकम दी। आरोपी ने भरोसा दिलाया- अक्टूबर से उसकी नौकरी लग जाएगी। तय समय पर नौकरी न लगने पर राघवेंद्र ने आरोपी से बात की। वह इधर-उधर की बातें बनाने लगा। शक होने पर राघवेंद्र जानकारी करने एम्स पहुंचा। यहां उसके सामने हकीकत आ गई। फिर उसने थाने में शिकायत की।

महिला को डिजिटल अरेस्ट कर 1 लाख की ठगी करने वाला मास्टरमांइड गिरफ्तार

दिल्ली क्राईम ब्रांच अधिकारी बनकर वसूलता था रकम

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

साइबर क्राइम ब्रांच भोपाल की टीम ने महिला को डिजिटल अरेस्ट कर गिरफ्तारी वारंट जारी होने का डर दिखाकर करीब 1लाख की ठगी के मामले मे गिरोह के मास्टरमांइड को कानपुर यूपी से गिरफ्तार किया है। हैरानी वाली बात यह है की डिजिटल अरेस्ट जैसा क्राइम करने वाला सरगना केवल 8वी तक पढा है। जो दिल्ली क्राईम ब्रांच का अधिकारी बनकर लोगो को कॉल कर उन्हें झूठे केस में फंसने की बात कहते हुए गिरफ्तारी वारंट जारी होने का डर दिखाता और फिर सेटलमेंट के नाम पर रकम ठग लेता था। क्राइम ब्रांच एडीसीपी शैलेन्द्र सिंह चौहान ने जानकारी देते हुए बताया की भोपाल में रहने वाली सुकन्या सिंह (परिवर्तित नाम) नामक महिला ने लिखित शिकायती आवेदन देते हुए बताया की 5 मार्च को अज्ञात आरोपी ने उनके मोबाइल पर कॉल कर खुद को दिल्ली क्राईम ब्रांच का अधिकारी बताते हुए उन्हें फर्जी केस मे फसाने का डर दिखाया। बाद में आरोपी ने उन्हें हाउस अरेस्ट कर कहा की उनका गिरफ्तारी वारंट जारी किया जा रहा है, और जल्द ही उनकी गिरफ्तारी की

जायेगी। बाद में शातिर ने उनसे कहा की वह यह मामला खत्म करवा सकता है, लेकिन इसके लिये वकील, जज और गारंटरो को रकम देनी होगी। उसकी धमकी से डरी फरियादी पैसे देने को तैयार हो गई। इसके बाद आरोपी ने 90 हजार 500 रुपये ऐंठ कर धोखाधडी कर ली। जॅच के बाद अज्ञात के खिलाफ धारा 318(4), 319 (2) बीएनएस का मामला कायम कर आरोपी की सुरागशी शुरू की गई।

ऐसे शिकंजे में आया ठग: सायबर क्राईम टीम को तकनीकी जॉच में पता चला की आरोपी कानपुर यूपी में है, इसके बाद टीम उ.प्र. रवाना हुई और करीब 5 दिनो तक वहीं डेरा डालकर ठगी में इस्तेमाल किये गये कॉलिंग मोबाइल नंबरो की लोकेशन सहित अन्य तकीनिकी जानकारी के आधार पर मास्टर मांइड आरोपी आजाद पिता भूरी (38) निवासी ग्राम रठीगांव थाना, रेऊना जिला कानपुर को उसके गॉव में दबिश देकर गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से घटना मे प्रयोग किया गया मोबाईल फोन सहित 6 सिम कार्ड जप्त की गई है।

सरगना ऐसे फंसाता था जाल में: अधिकारियो ने बताया की आरोपी बीते करीब 4-5 साल से फ्रॉड केलिए कॉलिंग कर रहा है। वह हिन्दी भाषीय राज्य के मोबाईल नंबरो को टारगेट कर वहॉ के नंबरो के पीछे के नंबर बदलकर किसी भी कॉल कर देता था। इसके बाद डिजीटल अरेस्ट करने के लिए अपने आप को दिल्ली क्राईम ब्रांच का अधिकारी बताकर कहता की उनके खिलाफ मामला दर्ज हुआ है, और उनका गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है। इससे बचने के लिये वकील, जज सहित अन्य लोगो को पैसा देने नाम पर लोगो से फर्जी बैंक खातो मे रकम जमा करवा लेता था। बाद में इस ठगी की रकम को फर्जी बैंक एटीएम के जरिये से निकाल लेता था। जालाजी के लिये आरोपी आजाद अन्य राज्य के लोगो के एकाउंट और सिमकार्ड का उपयोग करता था। पुलिस उससे अन्य वारदातो के संबध में भी पूछताछ कर रही है।

लव मैरिज के तीसरे दिन बहू से जेठ ने कर डाला रेप

दोबारा हरकत करने के प्रयास में था जेठ, तब पीड़िता पहुचीं थाने

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

राजधानी भोपाल के नजदीक बैरसिया थाना इलाक में एक युवती के साथ प्रेम विवाह के तीसरे दिन ही उसके जेठ ने उसके साथ बलात्कार कर डाला। युवती ने जब जेठ की करतूत के बारे में पति से शिकायत की तब पति ने को उसे चुप रहने के लिए कहा। उसकी खामोशी से आरोपी जेठ की हिम्मत बढ़ गई और उसकी हरकतें बढ़न लगी। तब परेशान होकर पीड़िता ने थाने पहुंचकर मामला दर्ज करा दिया। थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 20 वर्षीय युवती ने अपनी शिकायत में बताया की जनवरी माह में उसने बैरसिया की एक कॉलोनी में रहने वाले एक युवक से प्रेम विवाह किया था। शादी के बाद वह अपनी ससुराल पहुंच गई। आरोप है की शादी के तीन दिन बाद ही जब उसका पति घर पर नहीं था, तब मौका पाकर आरोपी जेठ अरविंद शर्मा (परिवर्तित नाम) ने शराब के नशे में उसके साथ दुष्कर्म कर डाला। बाद में जब पति के वापस लौटने पर उसने जेठ की सारी करतूत उसे बताई। तब पति ने उसकी पर विश्वास नहीं किया तब महिला ने यह बात अपनी सास को बताई। लेकिन दोनों ने ही उसकी बात को न मानते हुए धमकी दी कि अगर इस संबध में किसी को कुछ बताया तो उसे घर से निकाल देंगे। ससुराल वालों की धमकी के कारण नवविवाहिता चुप रह गई। उसकी खामोशी से जेठ की हिम्मत बढ़ गई और वह दोबारा उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने की कोशिश करने लगा। तंग आकर पीड़िता ससुराल से निकल गई और पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने आरोपी जेठ के खिलाफ बलात्कार का मामला कायम कर किया है, वहीं पति, सास को सह आरोपी बनाया है। फिलहाल आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है।

मप्र में अब बनाए जाएंगे 81 हजार से अधिक तालाब

पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग ने खेत तालाब बनाने का तय किया नया लक्ष्य

भोपाल । मप्र में महत्वाकांक्षी जल गंगा अभियान के तहत अब 81 हजार से अधिक खेत तालाब बनाए जाएंगे। पिछले सप्ताह की गई समीक्षा में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश भर में 50 हजार खेत तालाब बनाए जाने के लक्ष्य को कम बताते हुए कहा था कि इन्हें बढ़ाया जाए। इसके बाद अब पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग ने खेत तालाब बनाने का नया लक्ष्य तय किया गया है। इसके तहत अब प्रदेश में 81,078 खेत तालाब जल गंगा संवर्धन अभियान के दौरान बनाए जाएंगे।सीएम मोहन यादव के महत्वाकांक्षी जल गंगा अभियान में अब कई जिलों को बड़ा टारगेट दे दिया गया है। यह टारगेट कलेक्टरों और जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को जल संग्रहण के लिए खेत तालाब बनाने को लेकर दिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के गृह जिले उज्जैन में अब सबसे अधिक 22 गुना अधिक खेत तालाब बनाए जाएंगे। पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग ने सीएम यादव द्वारा खेत तालाब बनाने का टारगेट फिर तय करने के निर्देश के बाद यहां 83 के बजाय 1827 खेत तालाब बनाने का टारगेट कलेक्टर को सौंपा है। इसी तरह नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के गृह जिले इंदौर में अफसरों ने पहले सिर्फ 55 खेत तालाब बनाने का टारगेट रखा था। इसे 18 गुना बढ़ाकर 1002 तक कर दिया गया है। इसी तरह नीमच जिले में अब 57 के बजाय 729 और डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा के गृह जिले मंदसौर में 118 के बजाय 1404 खेत तालाब बनाए जाएंगे।

हर जिले में बदला गया टारगेट : पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग द्वारा सभी कलेक्टर, सीईओ जिला पंचायत और मनरेगा के समन्वयक, अतिरिक्त समन्वयक को जारी निर्देश में कहा है कि जल गंगा संवर्धन अभियान 2025 में खेत तालाब बनाए जाने के लक्ष्य हर जिले में बदले गए हैं। मुख्यमंत्री द्वारा इसको लेकर 19 अप्रैल को की गई समीक्षा के बाद इसमें बदलाव किया जाकर नए लक्ष्य तय किए गए हैं। इसलिए अब अभियान खत्म होने तक अधिक से अधिक खेत तालब बनाए जाने का काम जिलों में कराया जाना है। इसके लिए जिलेवार नए टारगेट तय किए गए हैं। पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग ने तीन नए जिले मऊगंज, मैहर और पांढुर्णा के लिए अलग से कोई टारगेट खेत तालाब बनाने के लिए नहीं रखा है। यहां बनने वाले खेत तालाब रीवा, सतना और छिंदवाड़ा में ही शामिल किए गए हैं। वहीं 52 जिलों की सूची में 14 जिलों के खेत तालाब के टारगेट में कोई वृद्धि नहीं की गई है।

सभी जोड़ो को उपहार में दी श्रीरामचरित मानस का ग्रन्थ

अक्षय तृतीया पर सामूहिक विवाह सम्मेलन फंदा में 151 जोड़े विवाह सूत्र में बंधे

दीनबन्धु ■ भोपाल
www.dinbandhunews.com

अक्षय तृतीया पर भोपाल में सामूहिक विवाह सम्मेलन हो रहे हैं। फंदा में 151 जोड़े विवाह सूत्र में बंधें। विधायक रामेश्वर शर्मा भी मौजूद रहे। इस दौरान सभी जोड़ों को उपहार में श्रीरामचरित मानस दी गई। जनपद अध्यक्ष प्रमोद राजपूत ने बताया कि मुख्यमंत्री कन्या दान योजना के तहत आयोजन हुआ। कुल 151 जोड़े शामिल रहें। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ दूल्हा-दुल्हन विवाह सूत्र में बंधे। इधर, अक्षय तृतीया पर कोई बाल विवाह न हो, इसलिए जिला प्रशासन की टीमें नजर रख रही है। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने टीमें बनाई हैं।

फंदा में हुए सबसे बड़े सम्मेलन की तस्वीरें.

फंदा में हुए सम्मेलन में नवदंपत्ति ने विधायक रामेश्वर शर्मा के साथ भी सेल्फी ली। जोड़ों को श्रीरामचरित मानस दी गई। फंदा में विधायक रामेश्वर शर्मा, जनपद अध्यक्ष प्रमोद राजपूत समेत कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत जंबूरी मैदान में सामूहिक सामूहिक विवाह आयोजन के लिए 95 जोड़ें विवाह सूत्र में बंधे। इस दौरान मंत्री कृष्णा गौर, महापौर मालती राय भी मौजूद रहीं।

यहां भी सामूहिक विवाह सम्मेलन

- अखिल भारतीय पाल महासभा द्वारा बिट्टन मार्केट स्थित दशहरा मैदान में 51 जोड़ों का सामूहिक विवाह होगा।
- नागर धाकड़ समाज समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन औबेदुल्लागंज व भौरी बकानिया में हो रहा है।
- करोंद स्थित कनक मैरिज गार्डन में अखिल भारतीय श्री क्षत्रिय राजपूत समाज का सम्मेलन किया गया।
- विट्ठन मार्केट में अभा पाल महासभा का निःशुल्क मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत सामूहिक विवाह सम्मेलन शाम को होगा। शाम को बारात का आगमन होगा और जोड़े सात फेरे लेंगे।
- ी 360 गौत्रिय खटीक समाज सकल पंच भोपाल द्वारा 11 जोड़ों का सामूहिक विवाह शाहजहांनी पार्क में आयोजित होगा।
- फूल माली समाज ईंटखेड़ी में होने वाले सामूहिक विवाह सम्मेलन में 19 जोड़ों का विवाह होगा।

मेरा जन्म दाढ़ी-टोपी से निपटने के लिए हुआ- सांसद आलोक शर्मा

भोपाल। राजधानी भोपाल में इन दिनों लव जिहाद का मामला गरमाया हुआ है। भारतीय जनता पार्टी के नेता लगातार इस मुद्दे पर बोलते नजर आ रहे हैं। भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने अक्षय तृतीया के अवसर पर ब्राह्मण समाज के कार्यक्रम में लव जिहाद पर जमकर बरसे। सांसद शर्मा ने कहा कि किसी मियां में ताकत हो तो अब लव जिहाद करके दिखाए। शर्मा ने कहा कि मेरा जन्म दाढ़ी टोपी से निपटने के लिए ही हुआ है। वहीं उन्होंने कहा लव जिहाद करने वालों को कड़ी से कड़ी सजा ब्राह्मण समाज देगा। आलोक शर्मा ने हिंदुओं से एक होने का आह्वान किया। सांसद आलोक शर्मा ने अक्षय तृतीया के मौके पर भगवान परशुराम की प्रतिमा पर विधि विधान से पूजा अर्चना की। आलोक शर्मा ने कहा कि पुराने भोपाल में हिंदुओं की आबादी घटती जा रही है। इसके साथ ही सनातनी महिलाओं का गरबा अलग से करने की मांग आलोक शर्मा ने की। सांसद ने बताया कि 5 जून को हिंदू समागम है, जिसमें पंडित धीरेन्द्र शास्त्री शिरकत करेंगे। आपको बता दे कि राजधानी के गुफा मंदिर में भगवान परशुराम की प्रतिमा के सामने ब्राह्मण समाज का कार्यक्रम हुआ था, जिसमें सभी ब्राह्मण समाज के सभी संगठन शामिल हुए थे।

भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और डिंडोरी कलेक्टर जाएंगे ट्रेनिंग पर

मिड करियर ट्रेनिंग के लिए 53 आईएएस चिन्हित, चंद्रमौली, ईलैया और राज्यपाल के सचिव भी लिस्ट में

दीनबन्धु ■ भोपाल
www.dinbandhunews.com

एमपी कैडर के 53 आईएएस अधिकारियों को जून से शुरू होने वाली मिड करियर ट्रेनिंग के लिए बुलाया गया है। लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी मसूरी ने ऐसे अफसरों की सूची जारी कर 16 मई तक इसके लिए रजिस्ट्रेशन कराने के निर्देश दिए हैं। इस सूची में मोहन सरकार के भोपाल, इंदौर, ग्वालियर समेत चार जिलों के कलेक्टर और सीएम सचिवालय में पदस्थ दोनों सचिव भी शामिल हैं। सूची में शामिल अफसरों को लेकर कहा गया है कि ये अधिकारी किसी न किसी कारण या बहाना बनाकर ट्रेनिंग से बच रहे हैं। जबकि वर्किंग एफिशिएंसी में सुधार के लिए यह ट्रेनिंग जरूरी है। यह सभी 53 अफसर सचिव व अपर सचिव कैडर के अधिकारी हैं।

भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के लिए मिड करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमसीटीपी) 2007 में शुरू हुआ है। अफसरों की वर्किंग एफिशिएंसी में सुधार के लिए कराए जाने वाले इस ट्रेनिंग प्रोग्राम में अफसरों को तीन मौके दिए जाते हैं। लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी के साथ एमसीटीपी के रिव्यू के दौरान यह बात सामने आई है कि पात्रता के बाद भी किसी न किसी बहाने अधिकारी प्रशिक्षण से बच रहे हैं। इसलिए एक बार फिर ऐसे पात्र अफसरों की सूची जारी की गई है और उन्हें 16 जून से 11 जुलाई तक होने वाले एमसीटीपी के चौथे चरण की ट्रेनिंग के लिए सूचित किया गया है।

इस ट्रेनिंग के लिए बुलाए गए देश भर के कुल 779 अफसरों को 16 मई तक रजिस्ट्रेशन कराने के लिए कहा गया है। अफसरों को ट्रेनिंग में शामिल होने की सहमति 26 मई तक देने के लिए कहा गया है। इस ट्रेनिंग में 2011 बैच के अफसरों को पहला अवसर, 2010 बैच के अफसरों को दूसरा मौका और 2009 बैच के अफसरों को तीसरा प्रशिक्षण मौका दिया जा रहा है। जो अफसर 31 दिसम्बर 2028 के पहले रिटायर हो रहे हैं, उन्हें इस प्रशिक्षण के लिए पात्र नहीं माना गया है।

भोपाल, इंदौर, ग्वालियर कलेक्टर के भी नाम

ट्रेनिंग के लिए पात्र अफसरों की सूची में मुख्यमंत्री सचिवालय के दोनों सचिव सीबी चक्रवर्ती एम, टी इलैया राजा के भी नाम हैं। इसके अलावा चार जिलों के कलेक्टर आशीष सिंह इंदौर, कौशलेंद्र विक्रम सिंह भोपाल, रुचिका चौहान ग्वालियर, नेहा मारव्या सिंह डिंडोरी के भी नाम हैं। एमपीएसआईडीसी के एमडी चंद्रमौलि शुक्ला, सचिव वित्त विभाग लोकेश कुमार जाटव, एमडी एमपीआरडीसी भरत यादव, आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय शिल्पा गुप्ता, संचालक कृषि अजय गुप्ता, सचिव राज्य निर्वाचन आयोग अभिषेक सिंह, आयुक्त स्वास्थ्य तरुण राठी, आबकारी आयुक्त अभिजीत अग्रवाल, राज्यपाल के सचिव उमाशंकर भार्गव का नाम भी प्रशिक्षण के लिए चिह्नित अफसरों की सूची में शामिल है।

कुली की ईमानदारी और रेलवे अधिकारी की तत्परता से यात्री को मिला खोया हुआ बैग

दीनबन्धु ■ भोपाल
www.dinbandhunews.com

भोपाल स्टेशन पर रेलकर्मियों की ईमानदारी और सजगता एक बार फिर यात्रियों की सेवा में मिसाल बनकर सामने आई।कल अपराह्न लगभग 16-10 बजे, एक यात्री श्री अल्फ्रेड टोनी जो ट्रेन संख्या 12618 मंगला एक्सप्रेस से एर्नाकुलम स्टेशन की यात्रा पर थे, वे भोपाल स्टेशन परिसर में स्थित ÷ड्रॉप एंड गो÷ क्षेत्र में टैक्सी से उतरे। यात्रा की जल्दी में वे अपना एक बैग वहीं भूल गए और प्लेटफॉर्म की ओर रवाना हो गए।

इसी दौरान प्लेटफॉर्म पर कार्यरत रेलवे कुली श्री छगनलाल (बिल्ला क्रमांक 75) को नजर उस लावारिस बैग पर पड़ी। अपनी ईमानदारी और सजगता का परिचय देते हुए उन्होंने बिना देर किए वह बैग उपस्टेशन प्रबंधक (वाणिज्य) श्री जावेद अंसारी को सौंप दिया।

श्री अंसारी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बैग की जांच की, जिसमें नकदी के साथ कई महत्वपूर्ण बैंकिंग दस्तावेज मिले। दस्तावेजों में अंकित मोबाइल नंबर से उन्होंने यात्री श्री अल्फ्रेड टोनी से संपर्क किया और उन्हें उनके बैग के सुरक्षित होने की सूचना दी। सूचना मिलते ही श्री टोनी तुरंत स्टेशन पर उपस्टेशन अधीक्षक कार्यालय में पहुँचकर बैग प्राप्त किया। उन्होंने भोपाल रेल प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ÷मैं बहुत खुश और आभारी हूँ कि इतनी जिम्मेदारी और ईमानदारी से मेरा सामान मुझे वापस मिल गया। रेल प्रशासन का यह व्यवहार यात्रियों के विश्वास को और मज़बूत करता है।

इस सराहनीय कार्य पर प्रतिक्रिया देते हुए वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने कहा–भोपाल मंडल में कार्यरत हमारे कर्मचारी यात्रियों की सेवा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं। श्री छगनलाल की ईमानदारी और श्री जावेद अंसारी की तत्परता ने यह सिद्ध कर दिया है कि हमारे स्टाफ न सिर्फ कर्मठ हैं, बल्कि मानवीय मूल्यों को भी निभाते हैं। रेल प्रशासन को उन पर गर्व है।

3 माह के बच्चे से लेकर 90 साल के बुजुर्ग तक की आंखों की हुई जांच

अशोक नगर। चार्टर्ड-डे के उपलक्ष में लीनस क्लब सर्वमंगला द्वारा शहर के वार्ड नंबर 2 में बुधवार को क्लब की अध्यक्ष दिव्य प्रभा तायडे की अध्यक्षता में विशाल नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान डॉ संजीव कुमार द्वारा करीब 300 मरीजों का नेत्र परीक्षण, उपचार एवं परामर्श दिया गया। साथ ही मोतियाबिंद से ग्रसित मरीजों को तुरंत ऑपरेशन की सलाह दी गई, क्लब के मेंबरों द्वारा करीब 200 मरीज को चश्मा,आई ड्रॉप और दवाइयां उपलब्ध कराई गई। इसके अलावा 50 लोगों को ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया गया जिसे शिविर समाप्ति के पश्चात क्लब द्वारा कराया जाएगा। इसके साथ ही आंखों से संबंधित अन्य बीमारियों के बारे में मरीजों,उपस्थित लोगों को समझाइश दी गई। क्लब की अध्यक्ष श्रीमती तायडे ने बताया की शिवर में आए 3 माह के बच्चे से लेकर 90 साल के बुजुर्ग तक का नेत्र परीक्षण,परामर्श, उपचार किया जाकर दवाईया, चश्मे आदि दिए गए। उन्होंने बताया कि डॉक्टर ने नेत्र परीक्षण के दौरान पाया कि मोबाइल के अधिक उपयोग से बच्चों की आंखों में कुछ शिकायतें आ गई थीं,जिन्हें परामर्श एवं आई ड्रॉप दिया गया। इस दौरान क्लब की सचिव लीनस अमिता खेर, कोषाध्यक्ष लीनस रानी जुनेजा, सदस्य लीनस परवीन सेठी, लीनस सुचिता जोशी,वीनस संपदा वेदेव आदि सदस्यों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

अनुसूचित जाति वर्ग स्वरोजगार स्थापित हेतु शासन की विभिन्न योजनाओं का ले लाभ

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhunews.com

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति मर्यादित भोपाल ने बताया कि अनुसूचित जाति वर्ग को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए संत रविदास स्वरोजगार योजना, डॉ. भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना एवं सावित्री बाई फुले स्व-सहायता समूह योजनाएं संचालित की जा रही है।

संत रविदास स्वरोजगार योजना: संत रविदास स्वरोजगार योजना में उद्योग स्थापित करने के लिए एक लाख से 50 लाख रूपए तक, एक लाख से 25 लाख रूपए तक सेवा इकाई एवं खुदरा व्यवसाय के लिए 18 से 45 वर्ष आयु एवं न्यूनतम कक्षा 8वीं उत्तीर्ण, परिवार की वार्षिक आय 12 लाख से अधिक नहीं होना चाहिए, बैंक से प्राप्त ऋण पर 5 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से ब्याज अनुदान अधिकतम 7 वर्षों तक दिया जाएगा। आवेदन www. samast. mponline .gov.in पोर्टल पर एमपी ऑनलाइन के माध्यम से कर सकते है।

डॉ. भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना: डॉ.भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना में स्वरोजगार स्थापित करने के लिए 10 हजार से एक लाख रूपए तक का ऋण दिया जाएगा। आयु 18 से 55 वर्ष के मध्य होना चाहिए, शिक्षा का बंधन नहीं है। बैंक से प्राप्त ऋण पर 7 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से ब्याज अनुदान अधिकतम 5 वर्षों तक दिया जाएगा। आवेदन www. samast. mponline.gov.in पोर्टल पर एमपी ऑनलाइन के माध्यम से कर सकते है।

सावित्री बाई फुले स्व-सहायता समूह योजना: सावित्री बाई फुले स्व- सहायता समूह योजनांतर्गत अनुसूचित जाति वर्ग के 18 से 55 वर्ष तक की महिलाओं को जिनका बीपीएल राशन कार्ड एवं समग्र आईडी हो, अनुसूचित जाति की महिलाओं के समूह गठित कर, लघु / कुटीर उद्योग स्थापित करने के लिए बैंकों के माध्यम से प्रत्येक महिला को अधिकतम 50 हजार रूपए तक का ऋण एवं विभाग द्वारा प्रत्येक महिला को 10 हजार अनुदान दिया जाएगा। समूह में कम से कम 5 महिला सदस्य होना चाहिए। इस योजना के आवेदन कार्यालय में सीधे जमा करें।

प्रदेश के 5 पुलिस कर्मचारियों के बच्चाााों का हुआ चयन

यूपीएससी में चयनित बच्चों को डीजीपी मकवाणा ने किया सम्मानित

दीनबन्धु ■ भोपाल
www.dinbandhunews.com

सिविल सर्विसेस परीक्षा 2024 (यूपीएससी) के हाल ही में घोषित परिणाम में मध्यप्रदेश पुलिस परिवार के ब'चों ने सफलता अर्जित की है। छतरपुर जिले में पदस्थ प्रधान आरक्षक उमाशंकर मिश्रा के पुत्र आशुतोष मिश्रा, ग्वालियर में पदस्थ सउनि नरेश रघुवंशी के पुत्र आशीष रघुवंशी, जबलपुर में पदस्थ आरक्षक सतीश तिवारी की पुत्री शिवानी तिवारी, नर्मदापुरम में पदस्थ प्रधान आरक्षक जगदीश सिंह राजपूत के पुत्र तनिश सिंह राजपूत और टीकमगढ़ में एएसआई के पद पर पदस्थ राजेश कौशल के पुत्र सिद्धार्थ कौशल का यूपीएससी में चयन हुआ है।

उनकी इस उपलधि पर डीजीपी कैलाश मकवाणा ने सभी को समानित किया। इस मौके पर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अनिल कुमार, पीएसओ टू डीजीपी विनीत कपूर, एसओ टू डीजीपी मलय जैन, सहायक पुलिस महानिरीक्षक अंशुमान सिंह के साथ ही यूपीएससी में चयनित हुए युवाओं के परिजन और दिशा लर्निंग सेंटर से जुड़े समस्त छात्र-छात्राएं व पुलिस परिवार सदस्य ऑनलाईन उपस्थित थे। इस अवसर पर डीजीपी श्री मकवाणा ने कहा कि गंभीरता, व्यवसायिक दक्षता, कठोर परिश्रम, ईमानदारी, संतुलित आचरण तथा सद्व्यवहार से ही आप आदर्श अधिकारी साबित होंगे। उन्होंने कहा कि सेवा में आने के बाद आप हर कार्य को गंभीरता से करें। कई चीजें होंगी, जो आपको प्रलोभित करेंगी, लेकिन मन में भटकाव की स्थिति न लाएं।

डीजीपी श्री मकवाणा ने आगे कहा कि यह पुलिस परिवार के लिए गौरवान्वित करने वाला क्षण है। पुलिस परिवार की बेटियों ने सीमित सुविधाओं के बावजूद अपने कठिन परिश्रम और लगन से सिविल सर्विसेस में चयनित होकर प्रदेश का नाम रोशन किया है। हमारे अन्य पुलिस कर्मियों और उनके ब'चों को इनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। विपरीत परिस्थियों और चुनौतियों के साथ-साथ हमारे पुलिस जवानों ने परिवार को दिशा दी। देशभक्ति- जनसेवा के ध्येय वाय को सार्थक करते हुए आपने पारिवारिक दायित्व को भी बखूबी निभाया है।

एबीवीपी का प्रदर्शन, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

छात्राओं की सुरक्षा को लेकर जताई चिंता, `लव जिहाद' के खिलाफ निकाली अर्थी

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhun

कॉलेज परिसरों में बढ़ती असामाजिक गतिविधियों, लव जिहाद और धर्मांतरण की घटनाओं को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) भोपाल महानगर ने सोमवार को विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान परिषद कार्यकर्ताओं ने प्रतीकात्मक रूप से 'लव जिहादियों' की अर्थी निकाली और जिला कलेक्टर को एक ज्ञापन सौंपा। एबीवीपी ने छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और शिक्षा के पवित्र माहौल को बनाए रखने के लिए प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में एबीवीपी ने टीआईटी, एमएलबी, एमवीएम, हमीदिया, गीतांजलि सहित शहर के विभिन्न कॉलेज परिसरों में बाहरी तत्वों की बेकाबू आवाजाही, नशे के बढ़ते अड्डे और पुलिस सुरक्षा की कमी को गंभीर चिंता का विषय बताया। परिषद ने कहा कि इन कारणों से छात्राओं में भय और असुरक्षा का माहौल बन गया है।

ये प्रमुख मांगें रखी गईं

- कॉलेज परिसरों में बिना वैध पहचान पत्र के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लगे।
- शैक्षणिक संस्थानों के 500 मीटर के दायरे में शराब और नशीले पदार्थों की बिक्री पर रोक लगे।
- छात्रावासों में औचक निरीक्षण कर नशीले पदार्थों पर नियंत्रण किया जाए।
- लव जिहाद जैसी घटनाओं की रोकथाम के लिए विशेष पुलिस टीमों का गठन हो।
- छात्राओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण दिया जाए और सतर्कता कार्यशालाएं आयोजित हों।
- शिक्षा परिसरों में किसी भी प्रकार के धार्मिक प्रचार-प्रसार पर पाबंदी लगाई जाए।
- सभी कॉलेज परिसरों से अतिक्रमण हटाया जाए।
- महिला कॉलेजों के पास स्थित शराब दुकानों को तत्काल हटाया जाए। गीतांजलि सहित अन्य कॉलेजों में महिला पुलिस बल की तैनाती की जाए।

छात्राओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता हो

एबीवीपी के महानगर मंत्री शिवम जाट ने कहा कि कॉलेज शिक्षा के मंदिर हैं, यहां किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधियों की कोई जगह नहीं होनी चाहिए। हम प्रशासन से मांग करते हैं कि लव जिहाद में लिप्त लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए और छात्रों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। प्रांत छात्रा प्रमुख बबली शर्मा ने कहा कि हिंदू बहन-बेटियों को बहला-फुसलाकर धर्मांतरण कराने वाले लव जिहादियों को फांसी की सजा दी जानी चाहिए, ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

परशुराम जी की महाआरती के आयोजन में पहलगाम आतंकी हमले में मृतकों को श्रद्धांजलि दी गई

भोपाल। धार्मिक एवं सामाजिक कल्याण को समर्पित संस्था श्री परशुराम ब्राह्मण सेना मप्र विगत 8 वर्षों से भोपाल के काली मंदिर चुनाभट्टी क्षेत्र में भगवान् परशुराम जी की महाआरती का आयोजन करती आ रही हैं, 29 अप्रैल 2025 को इस भव्य आयोजन का 9 वां वर्ष है।अक्षय तृतीया की पूर्व संध्या पर भगवान परशुराम के जन्मोत्सव पर परशुराम सेना एवं समस्त सनातनी एवं ब्राह्मण समाज महा आरती में सम्मलित हुए एवं बड़ी संख्या में समाज के राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र के गणमान्य नागरिक व्यवसाई बंधु महिला शक्ति भी महा आरती में सहभागी बनें 7 कार्यक्रम की शुरुआत पहलगांव आतंकी हमले में मृत आत्माओं को 2 मिनिट की श्रधांजलि देने एवं विश्व में प्रेम शांति बने रहने की प्रार्थना के साथ तत्पश्चात गंगा आरती की तर्ज पर ढोल नगाड़ों के साथ कर्मकांडी ब्राह्मणों के द्वारा मंत्रोपचार विधि से आरती की गई । विभिन्न प्रस्तुतियां महाआरती के आकर्षण का केंद्र रही ।

भगवान् श्री परशुराम ब्राह्मण सेना भोपाल के कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष एवं भव्य महाआरती के आयोजक पंडित अजय मिश्रा ने एवं सह आयोजक श्रीमती अनीता जी, श्रीमती पूजा दुबे , श्रीमती पूनम श्रीमती वर्षा चिंचालकर रचना त्रिपाठी, शांति तिवारी , कल्पना तिवारी, सपना तिवारी , विकास तिवारी , शिल्पा तिवारी , माही , श्रीमती शुभ्रा गौतम सभी सनातनियों से इस भक्तिमय का हिस्सा बनने एवं पुन्य लाभ अर्जित किया ।

संपादकीय

मजदूरों के महत्व को दशार्ता मजदूर दिवस

मजदूर दिवस मजदूरों के महत्व को दशार्ने का एक महत्वपूर्ण उत्सव है। भारत सहित दुनिया के बहुत से देशों में एक मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है। जिसका मुख्य उद्देश्य उस दिन मजदूरों की भलाई के लिए काम करने व मजदूरों में उनके अधिकारों के प्रति जागृति लाना होता है। मगर ऐसा हो नहीं पाया है। भारत में 90 फीसदी मजदूर असंगठित क्षेत्र में काम करते हैं जिनको सभी सामाजिक सुरक्षा सुविधाएं प्राप्त नहीं हैं। देश में श्रमिक वर्ग की संख्या संगठित व असंगठित क्षेत्र में 50 करोड़ से ज्यादा है। भारत में एक मई का दिवस सबसे पहले चेन्नई में एक मई 1923 को मद्रास दिवस के तौर पर मनाना शुरू किया गया था। इस की शुरूआत भारती मजदूर किसान पार्टी के नेता कामरेड सिंगरावेलू चेट्यार ने शुरू की थी। भारत में मद्रास के हाईकोर्ट सामने एक बड़ा प्रदर्शन किया और एक संकल्प के पास करके यह सहमति बनाई गई कि इस दिवस को भारत में भी कामगार दिवस के तौर पर मनाया जाये और इस दिन छुट्टी का ऐलान किया जाये। वर्तमान में भारत समेत लगभग 80 देशों में एक मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है। मजदूर दिवस दुनिया के सभी कामगारों, श्रमिकों को समर्पित होता है। इस बार की अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस 2025 में वर्ल्ड डे फॉर सेफ्टी एंड हेल्थ एट वर्क की थीम है। स्वास्थ्य और सुरक्षा में क्रांति, कार्यस्थल पर एआई और डिजिटलाइजेशन की भूमिका। इसका मतलब है कि आने वाले समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, वर्चुअल रियलिटी और इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी नई तकनीकों का इस्तेमाल कार्यस्थल को और ज्यादा सुरक्षित और सेहतमंद बनाने में किया जाएगा। स्मार्ट हेलमेट्स, सेफ्टी सेंसर, ऑटोमेटेड मॉनिटरिंग सिस्टम ये सब भविष्य की सुरक्षा के अहम हिस्से बनेंगे। यह थीम हमें इस बात के लिए तैयार करती है कि हम तकनीक का सही इस्तेमाल करते हुए कर्मचारियों की भलाई सुनिश्चित कर सकें। किसी भी राष्ट्र की प्रगति करने का प्रमुख भार मजदूर वर्ग के कंधों पर ही होता है। मजदूर वर्ग की कड़ी मेहनत के बल पर ही राष्ट्र तरक्की करता है। लेकिन भारत का श्रमिक वर्ग श्रम कल्याण सुविधाओं के लिए आज भी तरस रहा है। मजदूर दिवस को लेकर श्रमिक तबके में अब कोई खास उत्साह नहीं रह गया है। बढ़ती महंगाई और पारिवारिक जिम्मेदारियों ने भी मजदूरों के उत्साह का कम कर दिया है। अब मजदूर दिवस इनके लिए सिर्फ कागजी रस्म बनकर रह गया है। महात्मा गांधी ने कहा था कि किसी देश की तरक्की उस देश के कामगारों और किसानों पर निर्भर करती है। उद्योगपति खुद को मालिक समझने की बजाय अपने-आप को ट्रस्टी समझे। मगर ऐसा होता नहीं है। मालिक आज भी मालिक बने हुये हैं। मजदूर सिर्फ मजबूर होकर रह गया है। इसी कारण भारत में मजदूरों की स्थिति बेहतर नहीं है। गुरु नानक देव जी ने भी अपने समय में किसानों, मजदूरों और कामगारों के हक में आवाज उठाई थी। गुरु नानक देव जी ने ह्यकाम करना, नाम जपना, बांट छकना और दसवंध निकालना का संदेश दिया था। गरीब मजदूर और कामगार का विनम्रता का राज स्थापित करने के लिए मनमुख से गुरमुख तक की यात्रा करने का संदेश दिया था। मजदूर एक ऐसा शब्द है जिसके बोलने में ही मजबूरी झलकती है। सबसे अधिक मेहनत करने वाला मजदूर आज भी सबसे अधिक बदहाल स्थिति में है। दुनिया में एक भी ऐसा देश नहीं है जहां मजदूरों की स्थिति में सुधार हो पाया है। दुनिया के सभी देशों की सरकार मजदूरों के हित के लिए बातें तो बहुत बड़ी-बड़ी करती हैं मगर जब उनकी भलाई के लिए कुछ करने का समय आता है तो सभी पीछे हट जाती है। इसीलिए मजदूरों की स्थिति में सुधार नहीं हो पाता है।

हमारे देश के मजदूरों को न तो मालिकों द्वारा किए गए कार्य की पूरी मजदूरी दी जाती है और ना ही अन्य वांछित सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाती है। गांव में खेती के प्रति लोगों का रुझान कम हो रहा है। इस कारण बड़ी संख्या में लोग मजदूरी करने के लिए शहरों की तरफ पलायन कर जाते हैं। जहां ना उनके रहने की कोई सही व्यवस्था होती है ही उनको कोई ढ़ग का काम मिल पाता है। मगर आर्थिक कमजोरी के चलते शहरों में रहने वाले मजदूर वर्ग जैसे तैसे कर वहां अपना गुजर-बसर करते हैं। बड़े शहरों में झोंपड़ पट्टी बस्तियों की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है। जहां रहने वाले लोगों को कैसी विषम परिस्थितियों का सामना करता है। इसको देखने की न तो सरकार को फुर्सत है ना हीं किसी राजनीतिक दलों के नेताओं को। झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले मजदूरों को शौचालय जाने के लिए भी घंटों लाइनों में खड़ा रहना पड़ता है। झोपड़ पट्टी बस्तियों में ना रोशनी की सुविधा रहती है। ना पीने को साफ पानी मिलता है और ना ही स्वच्छ वातावरण। शहर के किसी गंदे नाले के आसपास बसने वाली झोपड़ पट्टियों में रहने वाले गरीब तबके के मजदूर कैसा नारकीय जीवन गुजारते हैं। उसकी कोई कल्पना भी नहीं कर सकता है। मगर इसको अपनी नियति मान कर पूरी मेहनत से अपने मालिकों के यहां काम करने वाले मजदूरों के प्रति मालिकों के मन में जरा भी सहानुभूति के भाव नहीं रहते हैं। उनसे 12-12 घंटे लगातार काम करवाया जाता है। घंटो धूप में खडे रहकर बड़ी बड़ी कोठियां बनाने वाले मजदूरों को एक छप्पर तक नसीब नही हो पाता है। देश के कारखानो में काम करने वाले मजदूरो पर हर वक्त इस बात की तलवार लटकती रहती है कि ना जाने कब मालिक उनकी छटनी कर काम से हटा दे। कारखानो में कार्यरत मजदूरों से निर्धारित समय से अधिक काम लिया जाता है। विरोध करने पर काम से हटाने की धमकी दी जाती है। मजबूरी में मजदूर कारखाने के मालिक की शर्तों पर काम करने को मजबूर होता है। कारखानो में श्रम विभाग के मापदण्डो के अनुसार किसी भी तरह की कोई सुविधायें नहीं दी जाती है। कई कारखानों में तो मजदूरों से खतरनाक काम करवाया जाता है जिस कारण उनको कई प्रकार की बिमारियां लग जाती है। कारखानों में मजदूरो को पर्याप्त चिकित्सा सुविधा, पीने का साफ पानी, विश्राम की सुविधा तक उपलब्ध नहीं करवायी जाती है। मालिको द्वारा निरंतर मजदूरों का शोषण किया जाता है। मगर मजदूरों के हितों की रक्षा के लिये बनी मजदूर यूनियनो को मजदूरो की बजाय मालिको की ज्यादा चिंता रहती है। हालांकि कुछ मजदूर यूनियने अपना फर्ज भी निभाती है मगर उनकी संख्या कम है। हर बार मजदूर दिवस के अवसर पर सरकारे मजदूरो के हित की योजनाओं के बड़े-बड़े विज्ञापन जारी करती है।

1 मई 2025 मजदूर दिवस पर विशेष

मजदूरों के हितों को सुरक्षित करना होगा तभी मजदूर दिवस की सार्थकता होगी ?

लेखक
नरेन्द्र भारती

बेशक देश में प्रतिवर्ष की तरह 1 मई को मजदूर 2025 दिवस मनाया जा रहा है। केवल मात्र एक दिन बडे-बड़े सैमिनार,गोष्ठियां की जाती है मजदूरों के हितों को सुरक्षित करने के लिए बड़े दावे किये जातें है मगर 364 दिन मजदूरों के बारे में कोई नहीं सोचता कि मजदूरों के साथ कैसे-कैसे हादसे होते रहते है।प्रतिदिन समाचार पत्रों में मजदूरों के मरने की खबरें सुखियां बनती है मगर सरकारें मूकदर्शक बनी तमाशा देख रही हैं। देश के कारखानों में मजदूर मर रहे हैं हर जगह मजदूर काल का ग्रास बन रहे है। देश में मजदूरों के साथ हादसे कब थमेगें यह एक यक्ष प्रशन है। हर साल दिवस मनाए जाते है मगर धरातल की सच्चाइयां बहुत ही भयानक है मजदूरों का शोषण किया जाता है। मजदूरों के नाम पर सैकडों योजनाए चलाई जाती है मगर उन्हे उनका हक नहीं मिलता। देश में हर रोज मजदूर बेमौत मर रहे हैं।प्रतिदिन समाचार पत्रों में मजदूरों के मरने की खबरें सुखियां बनती है मगर सरकारें मूकदर्शक बनी तमाशा देख रही हैं। देश में मजदूरों के साथ हादसे थमने का नाम नहीं ले रहें हैं।हर साल दिवस मनाए जाते है मगर धरातल की सच्चाइयां बहुत ही भयानक है मजदूरों का शोषण किया जाता है। मजदूरों के साथ होने वाले यह हादसे बहुत ही त्रासदी है।कहीं उद्योगों में जलकर मारे जा रहे हैं।हादसों की बजह से बच्चे अनाथ हो रहे है।मगर केन्द्र व राज्य की सरकारों को जरा सा सदमा होता तो मजदूरों के हितों में कदम उठाती लेकिन सरकारें तो तब जागती हैं जब बड़ा हादसा घटित हो जाता है। देश में हर वर्ष लाखों मजदूर दबकर मारे जा रहे हैं उद्योगों में जलकर मारे जा रहे हैं। मगर केन्द्र व राज्य की सरकारों को जरा सा सदमा होता तो मजदूरों के हितों में कदम उठाती लेकिन सरकारें तो तब जागती हैं जब बड़ा हादसा घटित हो जाता है।देश के कारखानों में मजदूर मर रहे हैं, इमारतों के नीचे दबकर मजदूर काल का ग्रास बन रहे है।हादसों को देखकर रौगंटे खडे.हो जाते हैं देश के राज्यों में चल रहे ईटों के भठठों में मजदूर मारे जा रहे हैं।मजदूरों के पसीने से ही ईटें पकती हैं मगर भठठा मालिक मजदूरों का शोषण कर रहे हैं मजदूर खून-पसीना बहाकर काम करते है।मगर बदले में मेहनताना नाममात्र दिया जाता है।मालिक मजदूरों के सिर पर करोड़ों रुपया कमा रहे है।आकडों के मुताबिक बीते सालों में देश में हजारों मजदूर मारे जा चुके है।हादसों नं सवाल खड़े कर दिये हैं कि बार-बार हो रहे इन हादसों के कारण क्या है इस घटना ने यह प्रमाणित कर दिया है कि बीती घटनाओं से न तो सरकार ने सबक सिखा और न ही लोगों ने सीखा। हांलाकि इसयह कोई पहला हादसा नहीं है पिछले कई सालों से ऐसे दर्दनाक हादसे हो रहे हैं। फरवरी 2024 को बद्दी की परफ्यूम फैक्ट्री में घटित हुआ जहाँ 35 लोग झूलस गए और एक महिला की मौत हो गई चार लोगों को पीजआई में भर्ती किया है ' अभी भी 20 लोग लापता हैं सर्च ऑपरेशन जारी है फैक्ट्री के प्रबंधक को गिरफ्तार कर लिया है आगजनी के समय करीब 50 कामगार मौजूद थे 30 कामगारों ने ऊपरी मंजिल से कूद कर अपनी जान बचा ली इनमे तीन की रीढ़ की हड्डी टूट गई मलिक प? लापरवाही बरतने का मामला दर्ज कर लिया है इससे पहले भी बद्दी में काफी अग्निकांड हो चुके हैं लेकिन सबक नहीं सीख रहे हैं सरकारों को इस हादसे से संज्ञान लेना चाहिए '2019 में राजधानी दिल्ली में रानी झांसी रोड़ पर स्थित अनाज मंडी में रविवार सुबह चार बजे आग लगने से 43 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी तथा कई लोग घायल हो गए थे ।एडीआरएफ की टीम ने केवल 56 लोगों की जान बचा ली थी ।यह भीषण आग सुबह साढे चार बजे के करीब लगी थी।आग लगने का कारण शार्टसर्किट था । भारतीय दंड सहिंता की धारा 304 के अंर्तगत मालिक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर लिया है।यह मजदूर बिहार के समस्तीपुर के एक ही गांव के है।पलक झपकते ही अनाज मंडी शमशानघाट बन गई थी ।लाशों के ढेर लग गए थे ।चीखो पुकार मच गई थी ।मजदूर खाक ह गए थे । कैसी विडंबना है कि कभी सुरगों व उद्योगों में बेमौत मारे जा रहे हैं। मगर केन्द्र व राज्य की सरकारों को जरा सा सदमा होता तो मजदूरों के हितों में कदम उठाती लेकिन सरकारें तो तब जागती हैं जब बड़ा हादसा घटित हो जाता है।2025 के 4 महिनों में उद्योगों में आग के काफी मामले घटित हुए है। देश में मजदूरों के साथ होने वाले हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं।कारखानों में जल कर मजदूर मर रहे हैं।गत वर्ष भी एक ही दिन में दो हादसों में 19 मजदूर मारें गए थे जब राजधानी दिल्ली के बाहरी जिले में स्थित बवाना औद्योगिक क्षेत्र में एक पटाखें की फैक्टरी के गोदाम में भीषण आग लगनें के कारण 17 लोगों की मौत हो गई थी और तीस लोग बुरी तरह झुलस गए थे। मरने वालों में 10 महिलाएं तथा 7 पुरुष थी।मजदूरों ने सपने में भी नही सोचा होगा कि यह पटाखा गोदाम शमशान बन जाएगा ।पल भर में जिन्दा लोग राख में बदल गए यह बहुत ही त्रासदी है।लगभग तीन घंटे की मश्क्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका तब तक सब कुछ राख हो चुका था।आग के कारणो का पता नहीं चल पाया है।प्रशासन को चाहिए कि लापरवाही बरतने वालों को सजा दी जाए ताकि फिर एसे हादसे न हो सके।दूसरे हादसे में कानपुर में भी दो मजदूरों की मलबे में दबने से दर्दनाक मौत हो गई। एक दिन में ही 19 मजदूर मारे गए।यह बहुत ही दुखद है। ।बीते वर्ष में रायबरेली के उंचाहार में एटीपीसी संयत्र का बायलर फटने से 30 मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई थी तथा 100के लगभग घायल हो गए थे।500 मैगावाट इकाई के बायलर में यह हादसा हुआ था उस समय 200 कामगार मौजूद थे सरकारों ने मृतकों को मुआवजे की घोषणा करती है मगर मुआवजा इसका हल नहीं है।एक ऐसा ही हादसा जयपुर के पास खातोलाई गांव में घटित हुआ था जहां टाज्सफारमर फटने से 14 लोगों की मौत हो गई थी। इन हादसों ने औद्योगिक क्षेत्रों में मजदूरों की सुरक्षा पर प्रशनचिन्ह लगा दिया है इन हादसों पर संज्ञान लेना होगा तथा मजदूरों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने होगें ताकि भविष्य में ऐसे हादसों पर रोक लग सके। गत वर्ष जम्मू के उधमपूर से 80 किलोमीटर दूर रामबन जिले के चंद्रकोट में जम्मू-कश्मीर हाईवे पर टनल कर्मचारियों की बैरक में आग लगने से दस श्रमिक जिंदा जल गए थे। यह बैरक लोहे व फाईबर की बनी थी। यह बहुत ही दुखद हादसा था। आग लगने का कारण बिजली का शार्टसर्किट था।इस बैरक में 100 से अधिक लोग रहते थे। मगर छुटटी होने के कारण आसपास के लोग अपने घरों को चले गए थे। गनीमत रही की यह अपने-अपने घरों को गए थे वरना मृतको की संख्या 100 के लगभग होती ।नया वर्ष इन मजदूरों के लिए यमराज बन कर आया था और बेचारे टनल में ही जिन्दा जलकर राख हो गए थे इन अभागों ने सपने मे भी नहीं सोचा होगा की नया साल उनके लिए घातक साबित होगा।मारे गए मजदूरों में एक मजदूर हिमाचल के कांगड़ा का था तथा एक पंजाब का था बाकि बनिहाल-रामबन क्षेत्र के निवासी थे।सुरगं में घटित इस दर्दनाक हादसे ने कई प्रशन खड़े कर दिए है कि आखिर यह हादसे कब रुकेगें।यह कोई पहला हादसा नहीं है देश में अब तक हजारों मजदूर बेमौत मारे जा चुके है।एक साल पहले हिमाचल के बिलासपुर में भी एक ऐसा ही हादसा घटित हुआ था जब फोरलेन का काम करते समय सुरंग ढह गई और तीन मजदूर उसमें दब गए मगर 12 दिन की कड़ी मशक्क्त के बाद दो मजदूरों को जिन्दा निकाला गया था। एक मजदूर हिरदा राम कोई पता नहीं चल पाया था कि वह जिन्दा था या मर चुका था लगभग 9 महीने बाद उसका शव बरामद हुआ था। हिमाचल के जिला किन्नौर में एक निमार्णाधिन प्रोजेक्ट की दीवार गिरने से चार मजदूर बेमौत मारे गए थे। यहां पर 11 मजदूर काम कर रहे थे कि अचानक दीवार गिर गई सात मजदूर तो भागकर बच गए मगर बेचारे चार मजदूर जिन्दा दफन हो गए।इन मजदूरों पर 42 मीटर लंबी दीवार गिर गई थी। हिमाचल में ऐसे बहुत हादसे हो रहे है हमीरपुर में भी गत दिनों दर्जनों मजदूर मारे गए थे। 2015 के फरवरी माह में एक सप्ताह में दो दर्दनाक हादसों में 10 मजदूर मारे गए और 20 मजदूर घायल हो गए। पहला हादसा हिमाचल के कुल्लु में हुआ तथा दूसरा मुम्बई में हुआ। मुम्बई के अलीबाग में एक पटाखा फैक्ट्री में आग लगने से 9 मजदूर मारे गए थे और 19 घायल हो गए थे। और दूसरी घटना में 24 फरवरी 2014 को कुल्लु के मणीकर्ण में करंट लगने से एक मजदूर की मौत हो गई थी।

श्रमिक शक्ति ही है भारत की असली ताकत

लेखक- योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष 1 मई का दिन अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस अथवा मजदूर दिवस के रूप में मनाया जाता है, जिसे मई दिवस भी कहा जाता है। यह दिवस समाज के उस वर्ग के नाम है, जिसके कंधों पर सही मायनों में विश्व की उन्नति का दारोमदार है। इसमें कोई दो राय नहीं कि किसी भी राष्ट्र की आर्थिक प्रगति तथा राष्ट्रीय हितों की पूर्ति का प्रमुख भार इसी वर्ग के कंधों पर होता है। वर्तमान मशीनी युग में भी उनकी महत्ता कम नहीं है। श्रमिक दिवस और श्रम के महत्व को रेखांकित करते हुए फ्रैंकलिन डी रूजवेल्ट का कहना था कि किसी व्यवसाय को ऐसे देश में जारी रहने का अधिकार नहीं है, जो अपने श्रमिकों से जीवन निर्वाह के लिए आवश्यक मजदूरी से भी कम मजदूरी पर काम करवाता है। जीवन निर्वाह के लिए आवश्यक मजदूरी से उनका आशय सम्मानपूर्वक जीवन निर्वाह के लिए आवश्यक मजदूरी से था। अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर यह जानना आवश्यक है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर श्रमिक दिवस कब से और क्यों मनाया जाता है अमेरिका में 8 घंटे से ज्यादा काम न कराने के लिए की गई कुछ मजदूर यूनियनों की हड़ताल के बाद 1 मई 1886 से अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस मनाए जाने की शुरूआत हुई थी। दरअसल वह ऐसा समय था, जब कार्यस्थल पर मजदूरों को चोट लगना या काम करते समय उनकी मृत्यु हो जाना आम बात थी। ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने, कार्य करने के घंटे कम करने तथा सप्ताह में एक दिन के अवकाश के लिए मजदूर संगठनों द्वारा पुरजोर आवाज उठाई गई। 1 मई 1886 का ही वह दिन था, जब वह हड़ताल हुई थी और शिकागो शहर के हेय मार्किट चौराहे पर उनकी रोज सभाएं होती थी। 4 मई 1886 को जब शिकागो के हेय मार्किट में उस हड़ताल के दौरान पुलिस भीड़ को तितर-बितर करने का प्रयास कर रही थी, उसी दौरान किसी अज्ञात शख्स ने एकाएक भीड़ पर बम फैंक दिया। उसके बाद पुलिसिया गोलीबारी के कारण कई श्रमिक मारे गए। हालांकि उस समय अमेरिकी प्रशासन पर उन घटनाओं का कोई असर नहीं पड़ा लेकिन बाद में श्रमिकों के लिए 8 घंटे कार्य करने का समय निश्चित कर दिया गया। मजदूरों पर गोलीबारी और मौत के दर्दनाक घटनाक्रम को स्मरण करते हुए ही 1 मई 1886 से अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस मनाया जाने लगा। 1889 में पेरिस में अंतर्राष्ट्रीय महासभा की द्वितीय बैठक में फ्रांसीसी क्रांति को याद करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया गया कि इसे अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवसह्व के रूप में मनाया जाए। उसी समय से विश्वभर के 80 देशों में मई दिवस को राष्ट्रीय अवकाश के रूप में मान्यता प्रदान की गई। श्रमिक वर्ग ही है, जो अपनी हाड़-तोड़ मेहनत के बलबूते पर राष्ट्र के प्रगति चक्र को तेजी से घुमाता है लेकिन कर्म को ही पूजा समझने वाला श्रमिक वर्ग श्रम कल्याण सुविधाओं के लिए आज भी तरस रहा है। मई दिवस के अवसर पर देशभर में भले ही मजदूरों के हितों की बड़ी-बड़ी योजनाएं बनती हैं, ढ़ेरों लुभावने वायदे किए जाते हैं, जिन्हें सुनकर एकबारगी तो लगता है कि उनके लिए अब कोई समस्या नहीं बचेगी किन्तु अगले ही दिन मजदूरों को पुनः उसी माहौल से रूबरू होना पड़ता है, फिर वही शोषण, अपमान व जिल्लत भरा तथा गुलामी जैसा जीवन जीने के लिए अभिशप्त होना पड़ता है। समय-समय पर मजदूरों के लिए नए सिरे से मापदंड निर्धारित किए जाते हैं लेकिन इनको क्रियान्वित करने की फुर्सत ही किसे है जहां तक मजदूरों द्वारा अपने अधिकारों की मांग का सवाल है तो मजदूरों के संगठित क्षेत्र द्वारा ऐसी मांगों पर उन्हें अक्सर कारखानों के मालिकों की मनमानी और तालाबंदी का शिकार होना पड़ता है और प्रायः जिम्मेदार अधिकारी भी कारखानों के मालिकों के मनमाने रवैये पर लगाम लगाने की चेष्टा नहीं करते। जहां तक मजदूर संगठनों के नेताओं द्वारा मजदूरों के हित में आवाज उठाने की बात है तो आज के दौर में अधिकांश ट्रेड यूनियनों के नेता भी भ्रष्ट राजनीतिक तंत्र का हिस्सा बने हैं, जो विभिन्न मंचों पर श्रमिकों के हितों के नाम पर शोर तो बहुत मचाते नजर आते हैं लेकिन अपने निजी स्वार्थों की पूर्ति हेतु कारखानों के मालिकों से सांठगांठ कर अपने ही साथियों के हितों पर कुल्हाड़ी चलाने में संकोच नहीं करते। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर किसके लिए मनाया जाता है श्रमिक दिवस बहुत से मजदूरों की तो इस दिन भी काम करने के पीछे यह मजबूरी भी होती है कि अगर वे एक दिन भी काम नहीं करेंगे तो उनके घरों में चूल्हा कैसे जलेगा। विड़म्बना है कि देश की स्वाधीनता के सात दशक से भी अधिक बीत जाने के बाद भी अनेक श्रम कानूनों को अस्तित्व में लाने के बावजूद हम ऐसी कोई कारगर व्यवस्था नहीं कर पाए हैं, जो मजदूरों को उनके श्रम का उचित मूल्य दिला सके। हालांकि इस संबंध में एक सच यह भी है कि अधिकांश श्रमिक या तो अपने अधिकारों के प्रति अनभिज्ञ होते हैं या वे अपने अधिकारों के लिए इस कारण आवाज नहीं उठा पाते कि कहीं इससे नाराज होकर उनका मालिक उन्हें समक्ष भूखे मरने की नौबत आ जाए।

पाकिस्तान की आतंकी कारगुजारियां: कश्मीर से काबुल और उससे भी आगे!

पाकिस्तान का रिकॉर्ड दशकों से, आतंकवाद को प्रायोजित करने, पनाह देने और दूसरे देशों में आतंक को बढ़ावा देने में दुनिया की सबसे खतरनाक और अस्थिर करने वाली ताकतों में से एक रहा है। पाकिस्तान अपनी जमीन का उपयोग सीमा पार आतंकवाद, उग्रवाद और चरमपंथी विचारधारा के लिए लॉन्चपैड के रूप में करता रहा है।

- 2018 में, पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने टिप्पणी की थी कि 2008 के मुंबई हमलों को पाकिस्तान स्थित इस्लामी आतंकवादी संगठन, लश्कर-ए-तैयबा ने अंजाम दिया और पाकिस्तान सरकार ने इसमें भूमिका निभाई थी।
- परवेज मुशर्रफ ने स्वीकार किया था कि उनकी सेना ने भारत प्रशासित कश्मीर में आतंकी गतिविधियों के लिए आतंकवादी समूहों को प्रशिक्षित किया था। उन्होंने कबूल किया कि सरकार अनदेखी कर रही थी क्योंकि वह भारत को बातचीत में शामिल होने के लिए मजबूर करना चाहती थी, साथ ही इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाना चाहती थी।
- कुछ ही दिन पहले, पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा मुहम्मद आसिफ ने स्वीकार किया कि उनका देश तीन दशक से अधिक समय से आतंकवादी समूहों को समर्थन दे रहा है और उन्होंने इसे

अमरीका के नेतृत्व वाली विदेश नीति के निर्णयों से जुड़ी गलती बताया।

वैश्विक स्तर पर आतंकवाद को बढ़ावा

अफगानिस्तान

- तालिबान और हक्कानी नेटवर्क हमलेः अफगान तालिबान और हक्कानी नेटवर्क का समर्थन करने तथा उन्हें धन, प्रशिक्षण और सुरक्षित पनाह देने का काम पाकिस्तान की आईएसआई (इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस) के नाम व्यापक स्तर पर दर्ज हैं।
- ये समूह अफगान नागरिकों, सरकारी ठिकानों और अंतर्राष्ट्रीय सैन्य बलों पर कई घातक हमलों के लिए ज़िम्मेदार रहे हैं। 2008 में काबुल में भारतीय दूतावास पर बमबारी और 2011 में काबुल में अमेरिकी दूतावास पर हमला इनमें शामिल हैं।
- वरिष्ठ पत्रकार कालोर्टा गैल ने अपनी पुस्तक में लिखा है, दूतावास पर बमबारी आईएसआई एजेंटों द्वारा अपनी मर्जी से की गई कार्रवाई नहीं थी। इसे पाकिस्तानी खुफिया विभाग के सबसे वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा मंजूरी दी गई थी और इसकी निगरानी की गई थी।

रूस

- मॉस्को कॉन्सर्ट हॉल हमला (2024): अप्रैल 2025 में, मॉस्को आतंकी हमले की जांच में पाकिस्तान से जुड़े होने की बात सामने आई। रूसी अधिकारियों ने साजिश करने वाले की पहचान एक ताजिक नागरिक के रूप में की और वे पाकिस्तान के साथ उसके सम्बंधों की जांच कर रहे हैं। रिपोर्टों से पता चलता है कि हमलावरों को शायद पाकिस्तानी नेटवर्क से लॉजिस्टिक्स या वैचारिक समर्थन मिला था।

ईरान

- जैश उल-अदल हमलेः पाकिस्तान स्थित सुन्नी चरमपंथी समूह जैश उल-अदल ने सिस्तान और बलूचिस्तान प्रांत में ईरानी सुरक्षा बलों पर बार-बार हमले किए हैं। इसके जवाब में 16 जनवरी 2024 को ईरान ने पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में मिसाइल और ड्रोन हमले किए। इन हमलों में जैश उल-अदल के ठिकानों को निशाना बनाया गया था।
- सीमा पार उग्रवादः ईरान लगातार पाकिस्तान पर सीमा पार हमले करने वाले सुन्नी आतंकवादियों को पनाह देने और उनके खिलाफ कार्रवाई करने में विफल रहने का आरोप लगाता रहा है।

यूनाइटेड किंगडम

- 2005 लंदन बम विस्फोटः चार ब्रिटिश इस्लामी आतंकवादियों ने 7 जुलाई 2005 को लंदन में हुए बम विस्फोट को अंजाम दिया गया था। इन आतंकवादियों को पाकिस्तान में प्रशिक्षित किया गया था और ये कट्टरपंथी विचारधारा से प्रभावित हो गए थे। हमलावरों में से तीन- मोहम्मद सिद्दीक खान, शहजाद तनवीर और जर्मेन लिंडसे- ने 2003 और 2005 के बीच पाकिस्तान में समय बिताया था। पाकिस्तान के एबटाबाद में ओसामा बिन लादेन को पनाह
- 2011 में, पाकिस्तान के एबटाबाद में अल-कायदा सरगना ओसामा बिन लादेन को मारने वाली अमेरिकी खुफिया कार्रवाई से पाकिस्तान के आतंकवाद विरोधी प्रयासों से जुड़ी प्रणालीगत विफलताएं उजागर हुईं। ओसामा बिन लादेन पाकिस्तान की सैन्य अकादमी के पास एक परिसर में वर्षों तक बिना किसी पहचान के रह रहा था, इससे आईएसआई की मिलीभगत का संदेह पैदा हुआ था। जमात-उल- मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) की गतिविधियां
- पाकिस्तान की आईएसआई पर जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) को वित्तपोषित करने और प्रशिक्षण देने का आरोप है।

वन्य जीवों और पेड़ों के लिए अपनी जान पर खेलता बिश्नोई समाज

डॉ. सत्यवान सौरभ

बिश्नोई समाज राजस्थान का एक अनूठा समुदाय है जो सदियों से पेड़-पौधों और वन्य जीवों की रक्षा में अपना जीवन समर्पित करता आया है। यहां की महिलाएं घायल हिरणों को अपने बच्चों की तरह पालती हैं। 1730 में खेजड़ली गांव में अमृता देवी और 363 बिश्नोईयों ने पेड़ों की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। बिश्नोई जीवनशैली 29 नियमों पर आधारित है, जिसमें प्रकृति से गहरा प्रेम निहित है। बिश्नोई टाइगर फोर्स जैसे संगठनों के माध्यम से आज भी यह समाज जीव रक्षा का कार्य करता है। बिश्नोई समाज सच्चे अर्थों में प्रकृति का संरक्षक है। भारत में जब पर्यावरण संरक्षण की बात होती है, तो राजस्थान के बिश्नोई समाज का नाम बड़े सम्मान के साथ लिया जाता है। सदियों से यह समाज पेड़-पौधों और वन्य जीवों के संरक्षण में अपनी जान तक न्यौछावर करता आया है। बिश्नोई समाज न केवल प्रकृति का रक्षक है, बल्कि वह उसे ईश्वर के रूप में पूजता भी है। राजस्थान के रेतीले धोरों में फैले इस समाज की जीवटता और प्रकृति प्रेम की मिसालें आज भी दिल को छू जाती हैं।

हिरण के बच्चों की ममता भरी देखभाल: बिश्नोई समाज की महिलाओं का हिरणों के प्रति प्रेम किसी भी मानवीय रिश्ते से कम नहीं है। यहां की महिलाएं अनाथ या घायल हिरण के बच्चों को अपने शिशु की तरह पालती हैं – उन्हें न सिर्फ अपने घर लाती हैं, बल्कि अपना दूध पिलाकर उनका पालन-पोषण करती हैं। यह दृश्य जितना अद्भुत लगता है, उतना ही हृदयस्पर्शी भी है। पांच सौ वर्षों से चली आ रही इस परंपरा में, ममता और प्रकृति के बीच का अदृश्य रिश्ता हर दिन जीवित रहता है। यहां के बच्चे जानवरों के साथ बड़े होते हैं, खेलते हैं, सीखते हैं कि पेड़ और पशु उनके जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। बिश्नोई समाज में हिरण को भगवान श्रीकृष्ण का अवतार माना जाता है। इसीलिए, यहां के लोग हिरणों को पूजते हैं और उनकी रक्षा को अपना धर्म समझते हैं।

बिश्नोई आंदोलन: पर्यावरण संरक्षण की पहली चिंगारी: पर्यावरण आंदोलन के इतिहास में बिश्नोई समाज का योगदान अतुलनीय है। 1730 के दशक में, जोधपुर के राजा अभय सिंह ने अपने नए महल के निर्माण के लिए खेजड़ी के वृक्षों को काटने का आदेश दिया। जब सैनिक पेड़ों को काटने आए, तो खेजड़ली गांव की अमृता देवी बिश्नोई ने अपनी तीन बेटियों के साथ मिलकर पेड़ों से लिपटकर उनका बचाव किया। सैनिकों ने उनके प्राणों की भी परवाह नहीं की। देखते ही देखते, 363 बिश्नोई पुरुषों, महिलाओं और बच्चों ने वृक्षों की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। इस बलिदान ने भारत के सामाजिक और सांस्कृतिक इतिहास में एक अमिट छाप छोड़ी। अमृता देवी के नेतृत्व में हुआ यह बलिदान बाद के चिपको आंदोलन का भी प्रेरणास्त्रोत बना। आज भी भारत सरकार अमृता देवी बिश्नोई वन्यजीव संरक्षण पुरस्कार के माध्यम से इस महान विरासत को याद करती है।

29 नियमों पर आधारित जीवनशैली: बिश्नोई समाज की जीवनशैली जाम्भोजी महाराज द्वारा प्रतिपादित 29 नियमों पर आधारित है। बीस और नौ से मिलकर बना बिश्नोई शब्द, इन नियमों के प्रति समाज की अटूट निष्ठा का परिचायक है। इन नियमों में शाकाहार, जीवों की रक्षा, पेड़ों की पूजा, पानी का संरक्षण और सरल जीवनशैली पर विशेष बल दिया गया है। बिश्नोई समाज का प्रत्येक व्यक्ति, चाहे वह पुरुष हो या महिला, इन आदर्शों को अपने जीवन का आधार बनाता है।

संगठित प्रयास: जीव रक्षा से टाइगर फोर्स तक: समाज के भीतर ही नहीं, बिश्नोईयों ने अपने संगठनों के जरिये भी बड़े पैमाने पर संरक्षण का कार्य किया है। अखिल भारतीय जीव रक्षा बिश्नोई महासभा और बिश्नोई टाइगर फोर्स जैसी संस्थाएं चौबीसों घंटे वन्यजीवों की रक्षा में लगी रहती हैं। शिकारियों को पकड़ना, कानूनी कार्यवाही कराना और आम लोगों में जागरूकता फैलाना – ये इनके नियमित कार्य हैं। आज जब दुनिया भर में पर्यावरण संरक्षण की बातें हो रही हैं, तब भी बिश्नोई समाज नारे नहीं, अपने कर्मों से उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। इनके लिए संरक्षण कोई अलग अभियान नहीं, बल्कि सांस लेने जैसा स्वाभाविक कार्य है।

बिश्नोई समाज से मिलने वाली प्रेरणा: जहां आधुनिक सभ्यता के दबाव में मनुष्य और प्रकृति के बीच की दूरी बढ़ती जा रही है, वहीं बिश्नोई समाज यह सिखाता है कि इंसान प्रकृति का अभिन्न अंग है। उनके लिए पेड़ और पशु महज संसाधन नहीं हैं, बल्कि जीवन के साथी हैं। बिश्नोई समाज की माताएं जब हिरणों को अपने स्तनों से दूध पिलाती हैं, तब वह यह संदेश देती हैं कि ममता की कोई सीमा नहीं होती। पेड़ों से लिपटकर अपने प्राण देने वाले लोग यह सिखाते हैं कि जीवन केवल स्वयं के लिए नहीं, दूसरों के लिए भी जिया जा सकता है। आज जब वैश्विक तापमान बढ़ रहा है, जैव विविधता खतरे में है और जलवायु परिवर्तन मानवता को चुनौती दे रहा है, तो हमें बिश्नोई समाज से सीख लेनी चाहिए।

खेलों से जुड़ा एक अनोखा कॅरियर एथलेटिक थेरेपिस्ट

एथलेटिक थेरेपिस्ट का मुख्य काम मेडिकल साइंस की मदद से किसी भी खिलाड़ी को उसकी चोटों से तुरंत उबारना होता है। इतना ही नहीं, वह खिलाड़ी की परफार्मेंस सुधारने में भी काफी मदद करते हैं। वह खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के दौरान वैज्ञानिक तरीकों के बारे में बताते हैं, जिसके कारण वह चोटिल होने पर जल्द से जल्द वापसी कर पाते हैं।

आज के समय में लोगों के मन में सिर्फ क्रिकेट के प्रति ही प्रेम नहीं है, बल्कि वह अन्य भी कई तरह के खेलों की तरफ अपना रूझान दिखा रहे हैं। भारत में अब जिस तरह खेलों को बढ़ावा मिल रहा है, उसने इसमें कॅरियर की नई संभावनाओं को जन्म दिया है। वैसे यह जरूरी नहीं है कि आप केवल खिलाड़ी बनकर ही स्पोर्ट फील्ड में खुद को स्थापित करें। अगर आप खेलों में विशेष दिलचस्पी रखते हैं तो बतौर एथलेटिक थेरेपिस्ट बनकर भी एक उज्जवल भविष्य बना सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इस फील्ड के बारे में-

क्या होता है काम

एक एथलेटिक थेरेपिस्ट का मुख्य काम मेडिकल साइंस की मदद से किसी भी खिलाड़ी को उसकी चोटों से तुरंत उबारना होता है। इतना ही नहीं, वह खिलाड़ी की परफार्मेंस सुधारने में भी काफी मदद करते हैं। वह खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के दौरान वैज्ञानिक तरीकों के बारे में बताते हैं, जिसके कारण वह चोटिल होने पर जल्द से जल्द वापसी कर पाते हैं। साथ ही खेल के दौरान वह खिलाड़ी के चोटिल होने पर उसे तुरंत राहत पहुंचाते हैं।

स्किल्स

अगर आप एथलेटिक थेरेपिस्ट बनना चाहते हैं तो आपके भीतर कुछ स्किल्स होना बेहद जरूरी है। सबसे पहले तो आपके भीतर खेलों के प्रति लगाव होना चाहिए। साथ ही आपके भीतर दृढ़ निश्चय होना चाहिए और खिलाड़ी को मोटिवेट भी करने का स्किल्स हो। चूंकि आपका काम चोट व हेल्थ से जुड़ा है, इसलिए आपको क्लीनिकल एक्सपीरियंस भी होना चाहिए। इसके अतिरिक्त आपको मेडिसन के क्षेत्र में हो रहे लेटेस्ट डेवलपमेंट पर भी पैनी नजर रखनी चाहिए।

योग्यता

अगर आप बतौर एथलेटिक थेरेपिस्ट अपना कॅरियर बनाना चाहते हैं तो आपके पास स्पोर्टस मेडिसिन में एमबीबीएस, व स्पोर्टस फिजिकल थेरेपी में मास्टर्स डिग्री होनी चाहिए। वहीं आप फिजियोथेरेपी में डिग्री हासिल करके भी इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं।

संभावनाएं

चूंकि स्पोर्टस को हर देश में काफी बढ़ावा दिया जाता है, इसलिए उससे जुड़े कॅरियर में भी संभावनाओं की कमी नहीं होती। कोर्स करने के बाद स्पोर्ट कंपनी, स्पोर्टस क्लब, नेशनल टीम, राज्य टीम या किसी स्पोर्टस एकेडमी के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

आमदनी

एक प्रोफेशनल एथलेटिक थेरेपिस्ट को काफी अच्छी सैलरी मिलती है। इस क्षेत्र में शुरूआती सैलरी ही 30000 रूपए से 50000 रूपए के बीच होती है। वहीं कुछ सालों का एक्सपीरियंस होने के बाद आप लाखों में कमा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
- इन्द्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- गुरूनानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर
- डी वाई पाटिल यूनिवर्सिटी, पुणे
- मणिपाल यूनिवर्सिटी, बेंगलुरू

पढ़ाई में कमजोर बच्चों के लिए ये टिप्स होंगे कारगर

अगर आपको बच्चों को पढ़ाई में बेहतर बनाना है तो पहले आपको समस्या की जड़ को समझना होगा। कुछ बच्चों को किताबी बातें कम समझ में आती हैं। ऐसे में आप उन्हें खेल-खेल में या फिर वीडियो आदि के जरिए भी किसी कान्सेप्ट को सिखा सकते हैं। आज के काम्पिटिटिव युग में बच्चों पर पढ़ाई काफी प्रेशर रहता है। लेकिन जरूरी नहीं है कि हर बच्चा चीजों को उतना जल्दी और बेहतर तरीके से समझ पाए। चूंकि हर बच्चा अलग होता है और इसलिए उनका आईक्यू लेवल भी अलग होता है। अगर बच्चा पढ़ाई में कमजोर है तो इसका अर्थ यह नहीं है कि उस पर गुस्सा किया जाए या उसे दंड दिया जाए। बस आपका बच्चों को पढ़ाई में बेहतर बनाने के लिए कुछ आसान उपाय बता रहे हैं-

समझें परेशानी

अगर आपको बच्चों को पढ़ाई में बेहतर बनाना है तो पहले आपको समस्या की जड़ को समझना होगा। कुछ बच्चों को किताबी बातें कम समझ में आती हैं। ऐसे में आप उन्हें खेल-खेल में या फिर वीडियो आदि के जरिए भी किसी कान्सेप्ट को सिखा सकते हैं। वहीं दूसरी ओर, हो सकता है कि बच्चा मन ही मन किसी बात को लेकर परेशान हो और इसलिए वह पढ़ाई पर उतना ध्यान ना दे पा रहा हो। इसलिए पहले उसकी परेशानी समझें और उसके बाद ही उसकी समस्या को हल करें।

अलग से दें ध्यान

जो बच्चा चीजों को धीरे-धीरे समझता है, वह अक्सर पढ़ाई में पीछे रह जाता है। मसलन, अगर बच्चा पिछले पाठ को ठीक से नहीं समझ पाया है तो उसे अगला पाठ समझने में भी परेशानी हो सकती है। इस तरह, वह धीरे-धीरे पीछे होने लगता है। ऐसे में उस पर अलग से ध्यान देने की जरूरत होती है। आप तीस बच्चों की क्लास में उसे सही से नहीं पढ़ा सकते। कोशिश करें कि आप उसे अलग से समय दें और उसके मन की सभी कन्फयूजन को दूर करें।

करें प्रोत्साहित

यह भी एक समस्या है, जो अक्सर कमजोर बच्चों के साथ देखी जाती है। जिस तरह बच्चा पढ़ाई में धीरे-धीरे कमजोर होता जाता है, उसका आत्मविश्वास भी गिरने लगता है। ऐसे में उनको लगता है कि वह कभी भी पढ़ाई में अच्छा नहीं कर सकते। इसलिए ऐसे बच्चों को बेहतर बनाने का सबसे महत्वपूर्ण कदम है उन्हें प्रोत्साहित करना। जब आप उनके भीतर आत्मविश्वास पैदा करेंगे तो वो पढ़ाई में अतिरिक्त ध्यान लगा पाएंगे। हालांकि अगर बच्चे को किसी स्पेशल नीड्स की जरूरत है तो उसकी जरूरत को ध्यान में रखकर ही कोई कदम उठाएं।

तय करें समय

कमजोर छात्रों को पढ़ाई में बेहतर बनाने के लिए अतिरिक्त मेहनत की जरूरत होती है। इसलिए उनके लिए पढ़ाई का समय तय करें। जिस विषय में वह कमजोर हैं, उनके लिए अतिरिक्त समय निकालें। बच्चे को रेग्युलर और तय समय पर जरूर पढ़ाएं। कभी भी उनकी पढ़ाई का नियम ना तोड़े और पढ़ाते समय बच्चों के साथ धैर्य बरतें। कभी भी उन पर गुस्सा ना करें।

सोशल मीडिया की मदद से मिलेगी एक बेहतरीन जॉब

ट्विटर एक ऐसा पब्लिक प्लेटफॉर्म है, जहां पर लोग पोस्ट करते हैं और शॉर्ट मैसेज एक्सचेंज करते हैं। चूंकि यह एक बेहद इनफार्मल मीडियम है, इसलिए इसे अपनी जॉब सर्च के लिए इस्तेमाल करते समय आपको काफी प्रोफेशनल होना होगा।

आज के समय में सोशल मीडिया सिर्फ अपने विचारों को व्यक्त करने या फिर नए लोगों से जुड़ने का ही एक साधन मात्र नहीं रह गया है। बल्कि वर्तमान में लोग एंप्लाय व कंपनियां दोनों ही इसका बेहद स्मार्टली इस्तेमाल कर रही हैं। जहां एक कुशल व्यक्ति इसकी मदद से अपनी योग्यताओं के अनुरूप जॉब ढूंढता है, वहीं कंपनियां भी अपनी जरूरत के हिसाब से एक बेहतरीन कर्मचारी को सोशल प्लेटफॉर्म पर ढूंढती हैं। ऑनलाइन सोशल नेटवर्क साइट्स अब अपने स्किल्स को एडवरटाइज करने का बेहतरीन प्लेटफॉर्म बन गई हैं। आप यहां पर खुद को एक ब्रांड बनाने से लेकर अपने काम को डिस्प्ले करने यहां तक कि अपनी फील्ड के ही एक्सपर्ट व अन्य लोगों से जुड़ने की कोशिश करते हैं। वैसे इसके अतिरिक्त आप सोशल मीडिया की मदद से एक अच्छी जॉब भी ढूंढ सकते हैं। जानिए कैसे-

लिंक्डइन

लिंक्डइन आपकी जॉब सर्च में एक महत्वपूर्ण टूल बनकर सामने आ सकता है, क्योंकि यहां पर आपको रिक्रूटर्स से लेकर कंपनी के हेड मिलेंगे, जो अपनी कंपनी में खास जॉब के लिए कैंडिटेंट की तलाश करते हैं। ऐसे में यहां पर उनसे सीधा संपर्क किया जा सकता है। अगर आप एक अच्छी जॉब सर्च कर रहे हैं तो आपका लिंक्डइन पर अकाउंट जरूर होना चाहिए। साथ ही आप उसे अप-टू-डेट रखें। आपका लिंक्डइन प्रोफाइल ऑनलाइन सीवी लिखने के जैसा ही है। हालांकि यह कोई जॉब सर्चिंग साइट नहीं है, लेकिन अगर आप किसी अच्छी कंपनी में अपना रिज्यूम देंगे तो वह यकीनन लिंक्डइन पर आपका प्रोफाइल देखेंगे। इससे उन्हें आपके स्किल्स का अंदाजा पहले ही हो जाता है। अगर आप वहां पर नहीं हैं तो कंपनी के रिक्रूटर समझते हैं कि या तो आप टेक्निकली आउटडेटेड हैं या फिर आप अपने बारे में कुछ छिपाने की कोशिश कर रहे हैं।

ट्विटर

ट्विटर एक ऐसा पब्लिक प्लेटफॉर्म है, जहां पर लोग पोस्ट करते हैं और शॉर्ट मैसेज एक्सचेंज करते हैं। चूंकि यह एक बेहद इनफार्मल मीडियम है, इसलिए इसे अपनी जॉब सर्च के लिए इस्तेमाल करते समय आपको काफी प्रोफेशनल होना होगा। आप ट्विटर पर जॉब के लिए सामने से ट्वीट ना करें, बल्कि अपनी पसंदीदा कंपनियों को ट्विटर पर फॉलो करें। उनके ट्वीट पर रिट्वीट करें या फिर आप अपने ट्वीट्स को ही किसी विशेष कॅरियर में इंटरस्ट दिखाने के लिए कर सकते हैं। साथ ही आपके ट्वीटर प्रोफाइल में आपकी प्रोफेशनल लुकिंग फोटो, एक बेहतरीन बायो जरूर होना चाहिए। आप चाहें तो इसमें अपनी वेबसाइट या लिंक्डइन प्रोफाइल के लिंक को भी एड कर सकते हैं।

जॉब सर्च में सोशल मीडिया के फायदे

- इसकी मदद से आप आसानी और प्रभावपूर्ण तरीके से खुद को सबके सामने पेश कर सकते हैं, जिससे अच्छी जॉब मिलने के चांसेज कई गुना बढ़ जाते हैं।
- आप खुद का नेटवर्क बिल्ड अप कर सकते हैं और कई सोशल चैनल्स से लोगों को जोड़ सकते हैं। ऐसे में रिक्रूटर आपसे आसानी से प्रभावित होते हैं।
- सोशल मीडिया के जरिए आप कंपनी हेड या रिक्रूटर के साथ सीधे जुड़ सकते हैं।

इंटर्नशिप कर रहे हैं आप तो ध्यान रखें ये बातें आसानी से मिलेगी नौकरी

जो छात्र इंटर्नशिप को सीरियसली नहीं लेते, उन्हें इंटर्नशिप खत्म होने के बाद एक अच्छी नौकरी के लिए दर-दर भटकना पड़ता है या फिर किसी छोटी-मोटी नौकरी से ही संतोष करना पड़ता है।

पढ़ाई पूरे करने के बाद जब छात्र प्रोफेशनल दुनिया में कदम रखते हैं तो उनकी शुरूआत होती है इंटर्नशिप के साथ। किताबी ज्ञान प्राप्त करने के बाद इंटर्नशिप व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करता है। इतना ही नहीं, अगर इंटर्नशिप के दौरान कुछ बातों का ध्यान रखा जाए तो इससे इंटर्नशिप समाप्त होते ही एक बेहतरीन नौकरी बेहद आसानी से मिल जाती है, वहीं जो छात्र इंटर्नशिप को सीरियसली नहीं लेते, उन्हें इंटर्नशिप खत्म होने के बाद एक अच्छी नौकरी के लिए दर-दर भटकना पड़ता है या फिर किसी छोटी-मोटी नौकरी से ही संतोष करना पड़ता है। तो चलिए जानते हैं कि इंटर्नशिप के दौरान अच्छी नौकरी पाने के लिए क्या किया जाए-

कंपनी में दिखाएं कौशल

सबसे पहला नियम यह याद रखें कि आप अपने काम को कभी भी हल्के में न लें। भले ही आपको काम के पैसे न मिल रहे हों लेकिन फिर भी एक प्रोफेशनल की तरह काम सीखें और दिए गए प्रोजेक्ट उतनी ही मेहनत से करें। इसके अतिरिक्त ऑफिस में कुछ छोटी-छोटी बातों का विशेष ध्यान रखें। मसलन, समय पर ऑफिस पहुंचना, नए काम को सीखने के लिए आतुर रहना और ऑफिस में प्रोफेशनलिज्म को मेंटेन रखें। साथ ही इस बात की भी कोशिश करें कि आपके द्वारा किया गया काम बॉस व एचआर की नजर में आए ताकि बाद में आप वहीं पर जॉब के लिए अप्लाई कर सकें।

निखारें गुण

किसी भी व्यक्ति को सफलता की सीढ़ी चढ़ने के लिए पहले स्वयं को तराशना पड़ता है। हो सकता है कि आप काम बेहद जल्द सीख जाएं या फिर आप अपनी फील्ड में कुछ ही दिनों में माहिर हो जाएं लेकिन अगर आप उसे दूसरों के सामने सही ढंग से पेश नहीं कर सकते तो वह सीखा गया काम भी व्यर्थ हो जाता है लेकिन खुद के गुणों को निखारने का प्रयास करें। अपने कम्युनिकेशन स्किल्स को निखारने व प्रेजेंटेबल बनने के लिए इंटर्नशिप के दौरान ही शॉर्ट टर्म पर्सनैलिटी डेवलपमेंट क्लासेज लें। अगर आपका काम ऐसा है कि विदेशी क्लाइंटस से डील करना पड़ता है तो फॉरेन लैंग्वेज भी अवश्य सीखें। खुद को तराशने के बाद आपको न सिर्फ लोग नोटिस करेंगे, बल्कि किसी भी कंपनी में इंटरव्यू को क्लीयर करने में भी काफी मदद मिलेगी। इससे एक बेहतरीन नौकरी पाना बेहद सरल हो जाएगा।

सोशल मीडिया का सहारा

इंटरनेट के इस युग में जो व्यक्ति खुद की ब्रांडिंग नहीं कर पाता, उसके लिए अच्छी नौकरी पाना वाकई कठिन हो जाता है। खुद की ब्रांडिंग के लिए सोशल मीडिया का सहारा लें। खुद की वेबसाइट बनाएं या फिर विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म अपने द्वारा किए गए काम को डिस्प्ले करें। साथ ही इंटर्नशिप के दौरान खुद की अचीवमेंट्स को हाईलाइट करना न भूलें। इससे बहुत सी कंपनियां जब आपके काम को देखेंगी तो हो सकता है कि वह सामने से ही आपको एक अच्छी जॉब ऑफर कर दें।

पढ़ाई रखें जारी

अगर आपने प्रोफेशनल दुनिया में कदम रख लिया है तो इसका अर्थ यह कतई नहीं है कि आप अपनी पढ़ाई को अलविदा कह दें। भविष्य में बेहतरीन अवसर प्राप्त करने के लिए पढ़ाई को जारी रखें। मसलन, अगर आपने ग्रेजुएशन या संबंधित डिप्लोमा कोर्स के बाद ही इंटर्नशिप की है तो इंटर्नशिप के साथ-साथ मास्टर्स की तैयारी करें। इस तरह अगर आप शुरूआती कुछ सालों में अधिक मेहनत करके अच्छी एजुकेशनल क्वालिफिकेशन प्राप्त कर लेते हैं तो एक समय ऐसा आएगा, जब आपके पास बेहतरीन ऑफर्स की कमी नहीं होगी और आपके लिए उनमें से किसी एक को चुनना कठिन होगा।

भारत माला के तहत बनाए जा रहे एक्सप्रेस-वे के घोटाले में ईओडब्ल्यू ने बिल्डर्स के कार्यालय में की छापेमारी

रायपुर

आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (ईओडब्ल्यू) ने बुधवार को भारत माला परियोजना के तहत बनाये जा रहे एक्सप्रेस-वे में हुए मुआवजे के कथित घोटाले को लेकर दशमेश बिल्डर्स के कार्यालय में छापेमारी की। यह कार्यालय पहले ही 25 अप्रैल को सील किया जा चुका था। आज जांच टीम ने यहां दस्तावेजों की बारीकी से जांच की। रायपुर से विशाखापट्टनम के बीच भारत सरकार की योजना के तहत इसका निर्माण कराया जा रहा है।

इस मामले में शुरुआती जांच में 43 करोड़ का घोटाला सामने आया था, लेकिन विस्तृत जांच में यह राशि बढ़कर 220 करोड़ रुपये से अधिक हो गई है। अब तक 164 करोड़ से ज्यादा के संदिग्ध लेन-देन के प्रमाण मिल चुके हैं। सूत्रों के अनुसार यह मामला तब तूल पकड़ा, जब दिल्ली से दबाव आने पर नेशनल हाई-वे अथॉरिटी के चीफ विजिलेंस ऑफिसर ने रायपुर कलेक्टर को जांच के निर्देश दिए। विधानसभा में भी नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने इस मामले को उठाया था और सीबीआई जांच की मांग की है।

दशमेश डेवलपर्स हरमीत सिंह खनूजा की कंपनी है। कुछ दिनों पहले ही इस घोटाला मामले में हरमीत सिंह खनूजा को गिरफ्तार किया गया था। दशमेश इंस्टावेंचर प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी में गिरफ्तार आरोपित हरमीत सिंह खनूजा और भावना कुर्रे भी साझेदार हैं। भावना कुर्रे अभनपुर के तत्कालीन तहसीलदार शशिकांत कुर्रे की पत्नी हैं। उल्लेखनीय है कि रायपुर से विशाखापट्टनम के बीच भारत सरकार की भारत माला परियोजना के तहत एक्सप्रेस वे बनाया जाना है। छत्तीसगढ़ से विशाखापट्टनम की दूरी करीब 546 किलोमीटर है। कॉरिडोर बन जाने से यह दूरी घटकर 463 किमी हो जाएगी। यानी रायपुर से विशाखापट्टनम की दूरी 83 किमी कम हो जाएगी। लेकिन जांच में सामने आया कि अधिकारियों और भू-माफियाओं की मिलीभगत से फर्जी दस्तावेजों के आधार पर करोड़ों की राशि हड़प ली गई।

न्यूज ब्रीफ

भाजपा विदेश विभाग प्रमुख विजय चौथाईवाले तीन दिनों के नेपाल भ्रमण पर काठमांडू पहुंचे

काठमांडू। भारत की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विदेश मामलों के विभाग के प्रभारी विजय चौथाईवाले नेपाल के साथ संबंध मजबूत करने और प्रमुख राजनीतिक दलों के साथ जुड़ने के उद्देश्य से तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर बुधवार को काठमांडू पहुंचे। अपने प्रवास के दौरान चौथाईवाले प्रधानमंत्री और मुख्य विपक्षी दल के नेता पुष्पकमल दहाल प्रचंड, सत्तारूढ़ गठबंधन के वरिष्ठ नेताओं, राजनीतिक मोर्चों के नेताओं से मुलाकात करेंगे। काठमांडू आगमन पर चौथाईवाले ने बताया कि इस यात्रा के दौरान उनकी चर्चा राजनीतिक सहयोग, क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ाने को लेकर केन्द्रित रहने वाली है। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की भारत की संभावित यात्रा के लिए अनुकूल वातावरण बनाने पर भी चर्चा की जाएगी। ओली के प्रधानमंत्री बनने के दस महीने के बाद भी उनकी भारत यात्रा नहीं हो पाई है। उनकी यात्रा नेपाल के सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के साथ संबंधों को गहरा करने और ऐसे समय में सद्भावना को बढ़ावा देने की व्यापक पहल का हिस्सा है, जब दोनों पड़ोसियों के बीच उच्च स्तरीय आदान-प्रदान सीमित हो गया है। चौथाईवाले के नेपाल भ्रमण को नेपाली राजनीतिक दल के साथ भाजपा की निकटता को और अधिक प्रगाढ़ बनाने में मदद मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

पाकिस्तान को जासूसों ने किया आगाह, भारत कभी भी कर सकता है सैन्य कार्रवाई, 24 से 36 घंटे बेहद अहम

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की हुकूमत को उसके जासूसों ने आगाह किया है। जासूसों ने कहा है कि यह चौकन्ना रहने का वक्त है। भारत कभी भी सैन्य कार्रवाई कर सकता है। आने वाले 24 से 36 घंटे बेहद अहम हैं। जासूसों की यह चेतावनी भारत के जम्मू-कश्मीर के पर्यटक स्थल पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद आई है। सूचनामंत्री अताउल्लाह तरार ने माना है कि संघीय सरकार को ऐसी खुफिया रिपोर्ट मिली है। इस पर अविश्वास का कोई कारण नहीं है। सूचनामंत्री तरार ने कहा कि विश्वसनीय खुफिया रिपोर्ट्स से संकेत मिलता है कि भारत दोनों देशों के बीच तनाव के बीच अगले 24 से 36 घंटों में पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करने की योजना बना रहा है। इस हमले के लिए नई दिल्ली ने इस्लामाबाद को दोषी ठहराया है। तरार ने कहा कि हालांकि इसके लिए भारत ने कोई सबूत नहीं दिया है। इस बीच भारत के अपनी सेना को खुली छूट देने से समूचे मुल्क में हड़कंप मचा हुआ है। भारत की इस अहम घोषणा से पसीना-पसीना तरार ने कुछ घंटों बाद मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा कि सरकार के पास विश्वसनीय खुफिया जानकारी है कि भारत पहलगाम घटना का बदला लेने के लिए 24-36 घंटों में पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करने का इरादा रखता है। उन्होंने कहा कि दुनिया जानती है कि पाकिस्तान खुद आतंकवाद का शिकार है।

एफएसएसएआई की नई पहल, खाद्य उत्पाद को लेकर झूठे दावों की शिकायत के लिए जारी किया एप

नई दिल्ली। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने एक नई पहल की शुरुआत की है जिसके तहत लोग खाद्य उत्पादों को लेकर किए गए झूठे दावों की शिकायत दर्ज करा सकते हैं। उपभोक्ता अब पैक किए गए खाद्य पदार्थों पर प्रदर्शित भ्रामक या झूठे दावों के संबंध में फूड सेफ्टी कनेक्ट मोबाइल एप्लिकेशन या खाद्य सुरक्षा अनुपालन प्रणाली के माध्यम से शिकायत दर्ज करा सकते हैं। यह पहल आवश्यक विवरणों की आसान प्रस्तुति में भी मदद करता है। इसमें भ्रामक दावे को उजागर करने वाली फ्रंट-ऑफ-पैक छवियां, निर्माता का एफएसएसएआई लाइसेंस या पंजीकरण संख्या और यदि उत्पाद ऑनलाइन बेचा जा रहा है तो ई-कॉमर्स यूआरएल शामिल है। ये इनपुट नियामक अधिकारियों को गैर-अनुपालनकारी खाद्य व्यवसाय संचालकों (एफबीओ) के खिलाफ त्वरित और साक्ष्य-आधारित कार्रवाई करने में सहायता करेंगे। एफएसएसएआई ने बुधवार को जारी की गई जानकारी में बताया है कि यह सुविधा उपभोक्ता-केंद्रित कदम खाद्य सुरक्षा और मानक (विज्ञापन और दावे) विनियम, 2018 और लेबलिंग और प्रदर्शन विनियम, 2020 के नियामक ढांचे पर आधारित है, जिसमें यह अनिवार्य है ।

गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट खुले, सीएम धामी ने की प्रधानमंत्री के नाम से पहली पूजा

उत्तरकाशी

अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर बुधवार को उत्तराखण्ड के दो प्रमुख तीर्थ स्थलों — गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक अनुष्ठानों के साथ श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए गए। इसके साथ ही वर्ष 2025 की चारधाम यात्रा का विधिवत शुभारंभ हो गया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दोनों धामों में कपाटोद्घाटन अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम से पहली पूजा संपन्न की। साथ ही देश और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। यह पहला अवसर था जब कोई मुख्यमंत्री यमुनोत्री धाम के कपाटोद्घाटन में सशरीर शामिल हुआ हो। इस पावन अवसर पर दोनों मंदिरों के ऊपर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा भी की गई।

धार्मिक परंपराओं के अनुसार, बुधवार सुबह मां गंगा की उत्सव डोली भैरव घाटी स्थित भैरव मंदिर से चलकर गंगोत्री धाम पहुंची। गंगोत्री धाम में विशेष पूजा-अभिषेक के साथ पूर्वाह्न 10 बजकर 30 मिनट पर गंगोत्री मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोले गये। वहीं मां यमुना की डोली शनिदेव महाराज की अगुवाई में शीतकालीन प्रवास स्थल खरसाली से चलकर यमुनोत्री धाम पहुंची। धार्मिक विधि-विधान के साथ पूर्वाह्न 11 बजकर 55 मिनट पर यमुनात्री धाम के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोले गए। कपाट खुलने के अवसर पर देश विदेश से आए हजारों श्रद्धालुओं ने अखंडज्योति के दर्शन किये तथा गंगा और यमुना में स्नान कर पुण्य अर्जित किया।

गंगोत्री एवं यमुनोत्री धाम के कपाटोद्घाटन समारोहों में प्रतिभाग करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने माँ गंगा एवं यमुना के मंदिरों में शीश नवाया और विशेष पूजा-अर्चना की । श्री धामी ने दोनों धामों में पहुँची लोक देवताओं की डोलियों से भी आशीष प्राप्त किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर चारधाम यात्रा का विधिवत शुभारंभ हो गया है। उत्तराखण्ड के चारधाम देश-विदेश के श्रद्धालुओं के लिए आस्था के प्रमुख केन्द्र हैं और इन धामों की यात्रा का सौभाग्य प्राप्त करने की आकांक्षा हर श्रद्धालु के मन में रहती है।मुख्यमंत्री ने कहा कि सुरक्षित और सुव्यवस्थित चारधाम यात्रा के लिए राज्य में व्यापक प्रबंध किये गये हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुगमता को ध्यान में रखते सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रयास किये गये हैं। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा में श्रद्धालु को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ ही यातायात प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अतिथि देवो भव: की परंपरा के अनुसार हमारा प्रयास है कि चारधाम यात्रा पर आने वाले सभी श्रद्धालु देवभूमि उत्तराखण्ड से दिव्य धामों के शुभाशीष के साथ ही यात्रा का सुखद अनुभव लेकर जाएं। मुख्यमंत्री ने ग्रीन और क्लीन चारधाम यात्रा के आयोजन के लिए सभी लोगों से सहयोग की अपील भी की है। गंगोत्री धाम में कपाटोद्घाटन के अवसर पर विधायक सुरेश चौहान, गंगोत्री मंदिर समिति के अध्यक्ष धर्मानंद सेमवाल, सचिव सुरेश सेमवाल, पूर्व विधायक विजय पाल सजवाण, भाजपा जिलाध्यक्ष नागेंद्र चौहान, किशोर भट्ट, उत्तरकाशी के जिलाधिकारी डॉ.मेहरबान सिंह बिष्ट, पुलिस अधीक्षक सरिता डोबाल, अपर जिलाधिकारी पीएल शाह, उपजिलाधिकारी शालीन नेगी, देवानंद शर्मा आदि मौजूद थे।

यमुनोत्री धाम में कपाटोद्घाटन के अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी उत्तरकाशी एस.एल सेमवाल, उप जिलाधिकारी बृजेश कुमार तिवारी, यमुनोत्री मंदिर समिति के उपाध्यक्ष संजीव उनियाल, सचिव सुनील उनियाल खंड विकास अधिकारी नौगांव प्रकाश पंवार भी मौजूद थे।

उल्लेखनीय है कि चार धाम यात्रा के अंतर्गत गंगोत्री और यमुनोत्री के कपाट आज खुल गए हैं। शेष केदारनाथ धाम के कपाट 2 मई को और बद्रीनाथ धाम के कपाट 4 मई को खुलेंगे।

यूएनएससी में पाकिस्तान को घेर रहे थे जयशंकर, तभी रुस ने कर दी हां में हां

जिनेवा

पाकिस्तान हर एक मोर्चे पर मुंह की खा रहा है। इसके बाद भी उसे अक्ल नहीं आ रहीं है। यूएनएससी में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पाकिस्तान को घेरा ही था कि रुस ने भारत का समर्थन करते हुए हां में हां कर दी। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले के बाद भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान के खिलाफ कूटनीतिक घेराबंदी तेज कर दी है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के सभी अस्थायी सदस्यों से संपर्क साधा और आतंक के खिलाफ कड़ा संदेश देने का आग्रह किया। इसकी जिम्मेदारी विदेश मंत्री एस जयशंकर ने खुद संभाली है। उन्होंने अल्जीरिया, ग्रीस, गुयाना, पनामा, सिएरा लियोन, स्लोवेनिया और सोमालिया जैसे देशों के विदेश मंत्रियों से बात की है। ये सभी फिलहाल यूएनएससी के अस्थायी सदस्य हैं। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से भी फोन पर चर्चा की है। जयशंकर ने सोशल मीडिया पर बताया कि गुटेरेस ने पहलगाम हमले की कड़ी निंदा की है और हमलावरों को सजा दिलाने के लिए भारत के प्रयासों का समर्थन किया है। हालांकि संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान चाह रहा था कि जम्मू-कश्मीर को विवादित क्षेत्र कहा जाए, लेकिन भारत ने उसे अमेरिका और फ्रांस की मदद से रोक दिया। सुरक्षा परिषद ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि हमलावरों, योजनाकारों, फंड देने वालों और प्रायोजकों को न्याय के कटघरे में लाया जाए। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के उस बयान का उल्लेख किया।

फैटी लिवर से काफी बढ़ जाता है डिजीज का खतरा

हेल्थ विशेषज्ञों के अनुसार, जंक फूड में खराब वसा, अधिक मात्रा में चीनी और प्रोसेस्ड पदार्थ शामिल होते हैं, जो शरीर में मोटापा, हाई कोलेस्ट्रॉल और टाइप-2 डायबिटीज जैसी बीमारियों के खतरे को बढ़ाते हैं। लिवर को स्वस्थ बनाए रखने के लिए अच्छी नींद लेना और जंक फूड से दूरी बनाना बेहद जरूरी है। इन बीमारियों के चलते नॉन-अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज (एनएएफडी) का खतरा भी काफी बढ़ जाता है। यह बीमारी समय के साथ सिरोसिस या लिवर कैंसर जैसी गंभीर स्थितियों में बदल सकती है। विशेषज्ञों ने चेताया है कि जंक फूड को रोजाना खाने की आदत लिवर के लिए बेहद हानिकारक है। उनके अनुसार, जंक फूड का नाम ही बताता है कि यह कचरे के समान है और इसे डस्टबिन में डाल देना चाहिए। यदि कोई व्यक्ति अपने पेट और आंतों को कचरे का डिब्बा नहीं समझता, तो उसे ऐसे खाद्य पदार्थों से परहेज करना चाहिए। लिवर को स्वस्थ रखने के लिए केवल सही खानपान ही नहीं, बल्कि पर्याप्त और सही समय पर नींद लेना भी आवश्यक है। रिसर्च में यह बात सामने आई है कि जो लोग ठीक से नींद नहीं लेते, उनमें फैटी लिवर डिजीज होने का खतरा कई गुना अधिक बढ़ जाता है।

सुकांत मजूमदार ने पीएम-यूएसएचए के तहत बहु-विषयक शिक्षा और अनुसंधान विश्वविद्यालयों पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन किया

नई दिल्ली

केंद्रीय शिक्षा एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास राज्य मंत्री डॉ. सुकांत मजूमदार ने बुधवार को यहां आईसीएआर में प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम-यूएसएचए) के अंतर्गत बहु-विषयक शिक्षा एवं अनुसंधान विश्वविद्यालयों (एमईआरयू) पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन किया।

डॉ. सुकांत मजूमदार ने अपने संबोधन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि इसका उद्देश्य भारत के छात्रों को वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान से लैस करना है।

उन्होंने कहा कि विभिन्न विश्वविद्यालयों के 64 से अधिक कुलपतियों की भागीदारी के साथ-साथ उच्च शिक्षा के राज्य परियोजना निदेशकों द्वारा प्रतिनिधित्व किए गए राज्य अधिकारियों के साथ, राष्ट्रीय कार्यशाला केंद्र और राज्य सरकार के वित्तपोषण के सहयोग से एनईपी के विभिन्न तत्वों को सर्वोत्तम तरीके से लागू करने के तरीके पर आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करेगी। डॉ. मजूमदार ने कहा कि 35 विश्वविद्यालयों के लिए, मंत्रालय बहु-विषयक शिक्षा और अनुसंधान विश्वविद्यालय (एमईआरयू) घटकों के तहत 44 अनिवार्य गतिविधियों को लागू करने के लिए प्रत्येक को 100 करोड़ रुपये प्रदान कर रहा है। उन्होंने सभी से 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए प्रतिबद्धता और सहयोग के साथ आगे बढ़ने का आग्रह किया, जहां हर विश्वविद्यालय नवाचार, समावेश और वैश्विक उत्कृष्टता का केंद्र बन जाए। उच्च शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. विनीत जोशी ने अपने भाषण में 21वीं सदी के लिए छात्रों को तैयार करने में एनईपी 2020 के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने उच्च शिक्षण संस्थानों में शोध के महत्व पर भी प्रकाश डाला और प्रतिभागियों से अन्य संस्थानों से सर्वोत्तम प्रथाओं को सीखने और अपनाने तथा उन्हें अपने विशिष्ट संदर्भ में दोहराने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह सहयोगात्मक दृष्टिकोण देश में तेजी से सुधार सुनिश्चित करेगा।

मुजीब को नोटों से हटाने की जिद के चलते बांग्लादेश में करेंसी की हुई भारी किल्लत

ढाका

भारत का पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश कई चुनौतियों से जूझ रहा है। रही सही कसर बेतुके निर्णय के कारण पूरी हो रही है। जिसमें बांग्लादेश की करेंसी टका से शेख मुजीबुर रहमान की तस्वीरें हटाने के फैसले से देश को बड़ा नुकसान उठाना पड़ रहा है। नोबेल विजेता अर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस की सरकार में नोटों को लेकर लिया गया फैसला बांग्लादेश के सेंट्रल बैंक को भी नुकसान पहुंचा रहा है। हालत यह है कि बांग्लादेश में करीब 15000 करोड़ टका की करेंसी प्रचलन से बाहर है। इन नोटों में बांग्लादेश के संस्थापक रहे शेख मुजीबुर रहमान की तस्वीरें छपी थीं और मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने इन्हें प्रचलन से बाहर कर दिया है। बांग्लादेश में कट्टरपंथी सरकार के डर से बैंक अधिकारी कुछ बोलने को तैयार नहीं हैं, लेकिन नाम न छापने की शर्त पर कहते हैं कि इससे संकट पैदा हुआ है। नोटों की कमी से मार्केट में कारोबार ही ठप है। इसके अलावा बैंकों में भी लोग यदि पैसे निकालने जा रहे हैं तो करेंसी ही नहीं है कि कैश दिया जा सके। बैंकों ने केंद्रीय बैंक से नोटों की डिमांड की है, लेकिन अब तक सप्लाई नहीं हुई है। इस साल अप्रैल की शुरुआत में सरकार ने अचानक ही फैसला ले लिया कि उन सभी नोटों और सिक्कों को प्रचलन से बाहर किया जाएगा, जिनमें शेख मुजीबुर रहमान की तस्वीरें हैं। यह फैसला लेने से पहले कोई नई करेंसी छापी नहीं गई थी। ऐसे में बड़ा संकट खड़ा हो गया है। भारत में 2016 में नोटबंदी हुई थी और उससे पहले बड़े पैमाने पर 500 और 2000 रुपये के नोट छापे गए थे। ऐसे में अचानक नोटबंदी के फैसले का उतना असर नहीं दिखा था।

पाकिस्तान ने कहा अमेरिका के लिए गंदा काम किया, यूएस से सच पूछा तो बगले झांकने लगा

वॉशिंगटन। अमेरिका अपनी बात से मुकरता है और झूठ भी बोलने में कोई कसर नहीं छोड़ता है। इसका ताजा उदाहरण पाकिस्तान का वो बयान है जिसमें उसने कहा था की अमेरिका के कहने पर 30 साल आतंकियों को पोषित किया है। इस मामले में जब अमेरिका से पूछा गया तो वो बगलें झांकने लगा और घुमा फिराकर जवाब दिया। जब वाइट हाउस की प्रेस ब्रीफिंग में इस बयान पर प्रतिक्रिया मांगी गई, तो अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने सीधा जवाब देने से बचते हुए कहा, हम भारत और पाकिस्तान दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के संपर्क में हैं। हम क्षेत्र में स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। ट्रंप प्रशासन ने इस तनावपूर्ण माहौल के बीच दोनों देशों को बातचीत से समाधान निकालने की सलाह दी है। विदेश मंत्री मार्को रुबियो भारत और पाकिस्तान के अपने समकक्षों से शीघ्र बातचीत करेंगे। टैमी ब्रूस ने कहा, हम सभी पक्षों से आग्रह कर रहे हैं कि वे जिम्मेदार रवैया अपनाएं। पूरी दुनिया इस स्थिति को देख रही है। उन्होंने यह भी बताया कि अमेरिका सिर्फ मंत्री-स्तर पर नहीं, बल्कि कई स्तरों पर भारत और पाकिस्तान के साथ संपर्क में है। बता दें कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के हालिया सनसनीखेज कबूलनामे के बाद हड़कंप मच गया है।

ब्रीफ न्यूज़

माह अप्रैल के अंतिम दिन पश्चिम मध्य रेलवे के 84 रेलकर्मी सेवानिवृत्त

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेल के मुख्यालय में कार्यरत एक कर्मचारी सहित जबलपुर, भोपाल, कोटा मण्डलों एवं दोनों कारखानों के कुल 84 रेलकर्मी बुधवार 30 अप्रैल 2025 को सेवानिवृत्त हुए। पश्चिम मध्य रेल मुख्यालय में माह के अंतिम कार्य दिवस 30 अप्रैल 2025 को अपर महाप्रबंधक श्री प्रमोद कुमार खत्री ने वरिष्ठ खण्ड अभियंता (ट्राईंग,सिविल इंजीनियर) श्री रमेश कुमार मिश्रा के अधिवार्षिता पर सेवानिवृत्ति संबंधित दस्तावेज एवं गोल्ड प्लेटेड सिल्वर मेडल प्रदान किये। सेवानिवृत्ति पर रेल प्रशासन की ओर से स्वस्थ, सुखी और समृद्ध जीवन के लिए शुभकामनायें दी गईं। सेवानिवृत्ति समारोह के अवसर प्रमुख मुख्य इंजीनियर श्री आशुतोष, प्रधान वित्त सलाहकार सुश्री मनजीत कौर, मुख्य कार्मिक अधिकारी (प्रशासन) श्री एस. डी. पाटीदार सहित उप मुख्य कार्मिक अधिकारी (एचआरडी) सुश्री पूर्णिमा जैन एवं अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। बुधवार को सेवानिवृत होने वालों में मुख्यालय में 01 रेल कर्मचारी, जबलपुर मंडल में 26 रेल कर्मचारियों, भोपाल मण्डल में 20 रेल कर्मचारियों, भोपाल कारखाना में 08 रेल कर्मचारियों, भोपाल निर्माण में 02 रेल कर्मचारियों, कोटा मण्डल में 25 रेल कर्मचारियों एवं कोटा कारखाना में 02 रेल कर्मचारियों सहित पमरे पर कुल 84 रेल कर्मियों की सेवानिवृत्ति हुई। इस अवसर पर सेवानिवृत्त हो रहे सभी कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति पर गोल्ड मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा उनकी सेवानिवृत्ति पर रेल प्रशासन के द्वारा शुभकामनाए दी गई।

तीर्थ नगरी में हुआ 223 जोड़े का विवाह

खंडवा। ओंकारेश्वर में बुधवार को (अक्षय तृतीया) के शुभ अवसर पर मध्य प्रदेश शासन की नि:शुल्क सामूहिक कन्या विवाह योजना के अंतर्गत नगर परिषद ओंकारेश्वर द्वारा 223 जोड़ो का विवाह आयोजन संपन्न हुआ कनगर परिषद द्वारा विवाह स्थल पर की गई व्यवस्थाओं से योजना में भाग लेने वाले परिवार संतुष्ट नजर आए कइस योजना के अंतर्गत जिले में सर्वाधिक पंजीयन नगर परिषद ओंकारेश्वर में किए गए और उसका सफल आयोजन किया गया क इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष मनीषा प्रकाश परिहार, उपाध्यक्ष अखिलेश्वर दीक्षित सभी पार्षदगण,नगर परिषद सीएमओ संजय गीते, राजस्व निरीक्षक नीरज रावत और नगर परिषद के सभी कर्मचारी अधिकारी प्रात: 7:00 बजे से कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित रहकर आयोजन को सफल बनाया कपर्यावरण को हरा-भरा करने के लिए नगर परिषद द्वारा प्रत्येक जोड़े को गमले सहित पौधा भी उपहार स्वरूप दिया गया उसके पालन पोषण और जल संवर्धन के लिए संकल्प दिलवाया गया क सामूहिक नि:शुल्क मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत शासकीय योजना के अंतर्गत वर- वधु को 49,000 राशि का चेक वितरण किया गया।

परशुराम जयंती पर ब्राह्मण समाज ने रुद्राभिषेक किया

धार। परशुराम जयंती व अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर सर्व ब्राह्मण समाज द्वारा धारेश्वर मंदिर में भगवान परशुराम प्रतिमा के समक्ष बड़ी संख्या में ब्राह्मण जोड़ो द्वारा रुद्राभिषेक किया । उपस्थित कर्मकांडी विद्वान ब्राह्मणों ने मंत्रोच्चार के साथ अभिषेक प्रारंभ किया तो पूरा मंदिर प्रांगण मंत्रो से गुंजायमान हो गया । भगवान परशुराम जी का जन्म उत्सव धूमधाम से गया व महाआरती का आयोजन कर प्रसादी व फलाहार का वितरण किया गया किया । रुद्राभिषेक के दौरान सर्व ब्राह्मण समाज अध्यक्ष पंडित विश्वास पांडे कार्यकारी अध्यक्ष पंडित धर्मेंद्र जोशी, ऋषि भार्गव, डॉ अशोक शास्त्री, गोटू शुक्ला, प्रवीण शर्मा, ज्ञानेंद्र त्रिपाठी, एन.एम. शर्मा,संजय बाजपेई,अविनाश दुबे,जितेंद्र पांडिया,देवेंद्र रावल, रजनीकांत वैद्य, संजय शर्मा,मनीष तिवारी, संतोष शर्मा,ममता जोशी,मीना दुबे,प्रतिभा शर्मा,रीता घोड़गांवकर, अवंती शर्मा, डॉ विनोद शर्मा, अभिषेक चतुर्वेदी, राजा शर्मा,आदि उपस्थित थे।

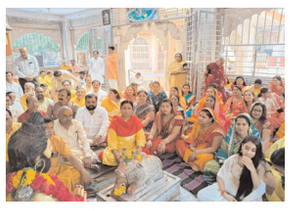

भवागन परशुराम जयन्ती गुफा मंदिर में महन्त रामप्रवेश महाराज के सानिध्य में मनी

भोपाल। भवागन परशुराम जयन्ती के अवसर पर गुफा मंदिर के महन्त रामप्रवेश जी महाराज के सानिध्य, सांसद आलोक शर्मा, विधायक भगवानदास सबनानी की उपस्थिति में आयोजित जन्मोत्सव कार्यक्रम में महापौर श्रीमती मालती राय सम्मिलित हुई और विधिवत पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, पूर्व निगम परिषद अध्यक्ष कैलाश मिश्रा, पार्षद श्रीमती प्रियंका मिश्रा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन उपस्थित थे।

भगवान परशुराम जी का जन्म उत्सव पूजा अर्चना हवन के साथ मनाया

दीनबन्धु, सीहोर।
dinbandhunews.com

सीहोर में आज सर्व ब्राह्मण समाज धर्म शाला में भगवान परशुराम के जन्मोत्सव के अवसर पर सर्व ब्राह्मण समाज द्वारा भगवान परशुराम जी का अभिषेक एवं पूजा आरती की गई, जिसमें बड़ी संख्या में ब्राह्मण समाज के लोग शामिल हुए। जन्मोत्सव के मौके पर खजांचीलाईन स्थित सर्व ब्राह्मण धर्मशाला सीहोर में आयोजित आयोजन में महिला, पुरुषों सहित युवा एवं बच्चे भी शामिल हुए। कार्यक्रम में विश्व विख्यात कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा सहित विधायक सुदेश राय, नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस विकास राठौर एवं भाजपा नगर मण्डल अध्यक्ष सुदीप प्रजापति भी उपस्थित हुए, जहां उन्होने भगवान परशुराम जी की मूर्ति का

अभिषेक एवं पूजा अर्चना की कार्यक्रम में परशुराम जन्म उत्सव पर हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी भव्य शोभा यात्रा दिनांक 4 मई 2025 को शहर में निकली जाएगी, जिसमें समाज के पदाधिकारियों ने अधिक से अधिक संख्या में चल समारोह में सम्मिलित होने की अपील की है। नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर ने अपने संबोधन में कहा कि ब्राह्मण समाज सदैव पूजनीय रहा है, निकाली जाने वाली शोभा यात्रा को सफल बनने में नगर पालिका द्वारा जो भी संभव हो सहयोग किया जावेगा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित जनों में सर्व ब्राह्मण हितकारिणी संस्थान के अध्यक्ष पं.मनोहर शर्मा, सर्व ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष पं.दीपक शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष सुदीप व्यास, चल समारोह अध्यक्ष पं.मनीष-कैलाश चन्द्र शर्मा, ग्रामीण अध्यक्ष पं.महेश दुबे, चल समारोह के युवा अध्यक्ष पं. रजत विश्वप्रसाद व्यास, समाज के महामंत्री पं.रमाकांत समाधिया एवं मुख्य रूप से ओम प्रकाश तिवारी, सुभाष शर्मा मावा, विनय भटेले, अनिल पालिवाल, हरिओम शर्मा दाऊ, हरीश शिठा, रूपेश तिवारी, गोविन्द शर्मा, प्रहलाद दास शर्मा, रवि पारे, प्रशांत पाठक, आदित्य उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में उपस्थित समाजनों ने 4 मई को आयोजित चल समारोह शामिल होने की अपील की है।

पन्ना। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने बुधवार को पन्ना जिले के पवई विधानसभा के कुंआताल स्थित मां कंकाली माता मंदिर में पूजन अर्चन करने के पश्चात प्रागंण में आयोजित विवाह सम्मेलन में वर-वधु को दाम्पत्य जीवन का शुभ आशीर्वाद देकर संबोधित किया। इस दौरान प्रदेश शासन के पूर्व मंत्री व विधायक श्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह, जिला अध्यक्ष श्री बृजेन्द्र मिश्रा, विधायक श्री प्रहलाद लोधी, पूर्व जिला अध्यक्ष श्री सदानंद गौतम, जिला पंचायत अध्यक्ष मीना राजे, जनपद अध्यक्ष श्रीमती मोहिनी मिश्रा, रविराज यादव सहित पार्टी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

राजगढ़ में 507 जोड़े शादी के बंधन में बंधे:490 ने फेरे लिए, 17 ने निकाह पढ़ा

समारोह में 30 हजार लोग पहुंचे,निकली भव्य बारात

दीनबन्धु, राजगढ़
dinbandhunews.com

राजगढ़ जिले के नरसिंहगढ़ में अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया गया। कोलू का मैदान में आयोजित इस कार्यक्रम में 507 जोड़ों ने विवाह बंधन में बंधे। इनमें 490 जोड़ों का विवाह हिंदू रीति-रिवाज से और 17 जोड़ों का निकाह मुस्लिम परंपरा से संपन्न हुआ। आयोजन में करीब 30,000 लोग शामिल हुए। मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत आयोजित इस सम्मेलन में गायत्री परिवार के पंडितों ने 490 जोड़ों के विवाह संस्कार संपन्न कराए, जबकि शेष 17 जोड़ों का निकाह शहर काजी द्वारा एक ही मंडप के नीचे कराया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए विवाह समारोह की

प्रक्रिया को सरल और सुलभ बनाना था। इस आयोजन के दौरान गर्मी के कारण फेरे लेने वाले दूल्हा-दुल्हन पंखों और गमछों से गर्मी से राहत पाने के प्रयास में नजर आए। इस सामूहिक विवाह सम्मेलन में सभी ने मिलकर एकता और सामूहिक प्रयास की मिसाल पेश की। 507 जोड़ों ने विवाह बंधन में बंधे, इस दौरान आयोजन में करीब 30,000 लोग शामिल हुए।

व्यवस्थाओं में दिखा सहयोग और सेवा भाव

सामूहिक विवाह सम्मेलन में व्यवस्थाएं सराहनीय रहीं। शिक्षकों ने मिलकर सभी को पोहे का नाश्ता कराया, सचिव द्वारा तरबूज वितरित किए गए। वहीं, किराना व्यापारी संघ ने चाय की व्यवस्था संभाली। हर जोड़े को 49 हजार रुपए की सहायता राशि और 10-10 सामग्री के पैकेट भी दिए गए। आयोजन में हर वर्ग ने सेवा भावना से भाग लिया।

जनप्रतिनिधि और अधिकारी भी आयोजन में पहुंचे

सम्मेलन का शुभारंभ सुबह 10 बजे हुआ और ढाई बजे तक चला। इस मौके पर मंत्री नारायण सिंह परमार, सांसद रोडमल नागर, विधायक मोहन शर्मा, और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने भी कार्यक्रम में शिरकत की। कार्यक्रम स्थल पर प्रशासनिक अधिकारियों में एसडीएम सुशील कुमार, जज द्वितीय अशोक भारद्वाज, जिला न्यायाधीश गौरव अग्रवाल, तहसीलदार विराट अवस्थी, जनपद सीईओ राजीव मिश्रा, नगरपालिका सीएमओ अभिषेक जैन, एसडीओपी उपेन्द्र सिंह भाटी, थाना प्रभारी एसएस चौहान, जनपद अध्यक्ष संजू दिवान सिंह, जनपद उपाध्यक्ष सचिन अतुलकर और अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

श्री राजपूत समाज का नौवा सामूहिक विवाह सम्मेलन, 14 जोड़े का हुआ विवाह

नर्मदापुरम। राजपूत समाज कल्याण समिति नर्मदापुरम के तत्वावधान में ग्राम डोलरिया में आयोजित नौवें आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन का प्रारंभ स्थानीय निजी गार्डन डोलरिया से सभी चौदह दूल्हों की बारात की निकासी के साथ हुआ। दूल्हे राजाओं की बारात सम्मेलन स्थल पर पहुंचने पर वधू पक्ष के द्वारा सभी का स्वागत वंदन और द्वाराचार किया गया। सम्मेलन स्थल पर सभी चौदह जोड़ों के व्यवस्था के अनुसार मंगल परिणय के लिए अलग-अलग चौदह कुटियों में बिठाकर सम्पूर्ण वैवाहिक कार्यक्रम सम्पन्न करवाया गया। सम्मेलन स्थल के निकट ही सम्मेलन में पधारे सभी सामाजिक बंधुओं के भोजन की व्यवस्था समिति के द्वारा की गई थी, जहां पर सभी सामाजिक बंधुओं का सहभोज संपन्न हुआ। ज्ञात रहे कि कोरोनाकाल वाले वर्ष और अक्षय तृतीया का शुभ मुहूर्त नहीं होने वाले वर्षों को छोड़कर विगत लगभग पंद्रह वर्षों से श्री राजपूत समाज कल्याण समिति नर्मदापुरम के द्वारा आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन का सफलता पूर्वक आयोजन हुआ ।

ग्वालियर में तेज धूप में छाता लगाकर निकले दूल्हे

अक्षय तृतीया पर धार में 2100 जोड़ों ने लिए सात फेरे; शाजापुर में 1247 शादियां हुई

दीनबन्धु, इंदौर।
dinbandhunews.com

मध्यप्रदेश में अक्षय तृतीया पर शाजापुर में कालापीपल में 1247 जोड़ों ने सामूहिक विवाह सम्मेलन में शादी की। सीएम डॉ. मोहन यादव और पंडित प्रदीप मिश्रा नवदंपतियों को आशीर्वाद देने यहां पहुंचे। छिंदवाड़ा में 928 जोड़ों ने सात फेरे लिए। ग्वालियर में भीषण गर्मी के बीच दूल्हे छाता लगाकर पहुंचे। यहां 40 डिग्री तापमान रहा। ग्वालियर में चार समारोह में 172 शादियां हुई। वहीं धार में जिला स्तरीय कार्यक्रम में 2100 जोड़े शादी के बंधन में बंधे। दिव्यांग जोड़े भी व्हीलचेयर पर बैठकर शामिल हुए। भोपाल में 151 जोड़े विवाह सूत्र में बंधे। उपहार में उन्हें श्रीमद्भागवत दी गई। इससे पहले सीएम डॉ. मोहन यादव उज्जैन के दाऊदखेड़ी में आयोजित समारोह में पहुंचे थे। यहां उन्होंने 70 नवदंपतियों को आशीर्वाद देकर उपहार भी बांटे। रतलाम में भी

अलग-अलग जगह सामूहिक विवाह सम्मेलन हुए। बैंड-बाजों को साथ बारात निकाली गई। इसके बाद शादी की रस्में निभाई गई।

सामूहिक विवाह सम्मेलन की तस्वीरें: सीएम डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में नवदंपतियों को उपहार दिए। रतलाम में सामूहिक विवाह सम्मेलन में शामिल जोड़े शादी की रस्में निभाते हुए। रतलाम में सामूहिक विवाह सम्मेलन में शामिल जोड़े शादी की रस्में निभाते हुए। भोपाल के फंदा में 151 जोड़ों को श्रीमद्भागवत और श्रीरामचरितमानस उपहार में दी गई। भोपाल के फंदा में 151 जोड़ों ने श्रीमद्भागवत और श्रीरामचरितमानस उपहार में दिव्यांग जोड़े भी व्हीलचेयर पर बैठकर सामूहिक विवाह सम्मेलन में पहुंचे। धार में मेहमानों का आदिवासी नृत्य से स्वागत किया गया। रतलाम में सामूहिक विवाह से पहले दूल्हों की बारात निकाली गई। छिंदवाड़ा में बग्घी पर सवार होकर दूल्हे सामूहिक विवाह सम्मेलन में पहुंचे।

करेली में 266 जोड़ों का विवाह: अक्षय तृतीया पर नरसिंहपुर जिले की नई गल्ला मंडी करेली में मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 266 जोड़ों का विवाह हुआ, जिनमें 257 विवाह और 9 निकाह शामिल थे। समारोह में प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल भी नव दंपतियों को आशीर्वाद देने पहुंचे।

छिंदवाड़ा में यज्ञोपवीत और उपनयन संस्कार: छिंदवाड़ा में ब्राह्मण समाज की ओर से हनुमान मंदिर में यज्ञोपवीत और उपनयन संस्कार कार्यक्रम कराया गया। कार्यक्रम में ब्राह्मण बटुकों को भिक्षा देने करने की परंपरा निभाई गई। जिसमें समाज के वरिष्ठजन, मातृशक्ति और सनातनी बंधुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समाजजन ने इस अवसर पर इसे 'संस्कार और संस्कृति के पुनर्जागरण का पर्व' बताया और बच्चों को सनातन परंपराओं से जोड़ने का संकल्प लिया।

धार में मेहमानों का आदिवासी नृत्य से स्वागत: धार के उमरबन में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में पहुंचे मेहमानों का आदिवासी नृत्य कर स्वागत किया गया। धार में दिव्यांग जोड़ों ने लिए सात फेरे धार जिले के उमरबन में जिला स्तरीय मुख्यमंत्री कन्या विवाह समारोह 2100 जोड़ों ने गायत्री पद्धति से सात फेरे लिए। इसमें दिव्यांग जोड़े भी व्हीलचेयर पर बैठकर शामिल हुए।

प्रभारी मंत्री विश्वास सारंग का 2 मई को खरगोन आयेंगे

खरगोन। मध्यप्रदेश शासन के सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री तथा खरगोन जिले के प्रभारी मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग का 02 मई को खरगोन आगमन हो रहा है।

प्रभारी मंत्री सारंग 02 मई को मण्डी प्रांगण खरगोन में विकास कार्यों के लोकार्पण, भूमिपूजन एवं हितलाभ वितरण कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके पश्चात प्रभारी मंत्री श्री सारंग कलेक्ट्रेट कार्यालय में जिला अधिकारियों की बैठक लेंगे और विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे।

खरगोन में अक्षय तृतीया पर 102 जोड़ों का सामूहिक विवाह

कसरावद, मंडलेश्वर, उमियाधाम और मेहरजा में हुए आयोजन

दीनबन्धु, खरगोन।
dinbandhunews.com

अक्षय तृतीया के अवसर पर रविवार को खरगोन जिले में अलग-अलग समाजों ने सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया, जिसमें कुल 102 जोड़ों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ परिणय सूत्र में बंधन की रस्में पूरी कीं। आयोजन कसरावद, मंडलेश्वर, उमियाधाम और मेहरजा में संपन्न हुए, जहां जनप्रतिनिधियों, समाजजनों और स्थानीय लोगों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद और उपहार भेंट किए। कसरावद में राजपूत समाज द्वारा 48 जोड़ों का विवाह समारोह आयोजित किया गया। तेज गर्मी को देखते हुए मंडपों में नोजल फव्वारों की विशेष व्यवस्था की गई थी। मंडलेश्वर में मालवी गारी भारुड समाज के 23 जोड़ों का विवाह सम्पन्न हुआ, जहां महेश्वर विधायक राजकुमार मेव और कसरावद विधायक सचिन यादव मौजूद रहे। तेज गर्मी को देखते हुए मंडपों में नोजल फव्वारों की विशेष व्यवस्था की गई थी। तेज गर्मी को देखते हुए मंडपों में नोजल फव्वारों की विशेष व्यवस्था की गई थी। उमियाधाम करोदिया में पाटीदार समाज द्वारा 22 जोड़ों का विवाह सम्मेलन संपन्न हुआ। वहीं, मेहरजा में गुरुव समाज के 9 जोड़ों का विवाह गायत्री पद्धति से कराया गया, जिसमें विधायक बालकृष्ण पाटीदार ने भाग लिया। सभी समारोहों में विधिपूर्वक विवाह संस्कार संपन्न हुए और समाज प्रतिनिधियों ने नवदम्पतियों को आशीर्वाद प्रदान किया। इसके साथ ही खरगोन शहर में परशुराम जयंती के उपलक्ष्य में ब्राह्मण समाज की ओर से शाम 6:30 बजे भगवान परशुराम की शोभायात्रा निकाली गई। तेज गर्मी के बावजूद हजारों श्रद्धालु इस धार्मिक कार्यक्रम में शामिल हुए।

विश्वविद्यालय: श्रमिकों के कल्याण के लिए डॉक्टर अंबेडकर ने कार्य किया

दीनबन्धु, सागर
dinbandhunews.com

डॉक्टर बी. आर. अंबेडकर ने कोलंबिया यूनिवर्सिटी में रिसर्च के दौरान एक थीसिस लिखी नेशनल डिविडेंड ऑफ इंडिया जो 1924 में प्रकाशित हुई जिसमें उन्होंने फाइनेंस कमीशन की स्थापना की बात की थी. उक्त विचार डॉक्टर अंबेडकर चेयर डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के द्वारा आयोजित डॉक्टर अंबेडकर मेमोरियल लेक्चर का विषय ह्यडॉक्टर बी. आर. अंबेडकर का आर्थिक चिंतनह्न पर संबोधित करते हुए अर्थशास्त्र विभाग के प्रो. उत्सव आनंद ने कहा कि डॉ. अंबेडकर का चिंतन श्रमिकों के हित के लिए था. श्रमिकों के कल्याण के लिए श्रमिक एवं मालिक एक साथ बैठकर समस्या का समाधान करें जिससे उद्योग का विकास हो सके. उक्त अवसर पर डॉ. देवेंद्र कुमार ने कहा कि अंबेडकर के आर्थिक चिंतन के माध्यम से ही हम विकसित भारत 2047 बना सकते हैं. उनकी आर्थिक नीति जो मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास, जन-धन योजना, सबका साथ और सबका विकास आज यह संभव वर्तमान सरकार के माध्यम से हो रहा है. डॉ देवेंद्र कुमार ने कहा कि कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के प्रयासों से अंबेडकर चेयर की स्थापना विश्वविद्यालय में हुई और डॉक्टर अंबेडकर के विचार आगे बढ़ाने का कार्य डॉक्टर अंबेडकर चेयर कर रहा है. उक्त अवसर पर एडल्ट एजुकेशन के सहायक अध्यापक डॉक्टर चिट्टी बाबू ने प्रो. उत्सव आनंद का स्वागत किया. डॉ. वीरेंद्र, डॉ अभय कुमार, अजब सिंह, जितेंद्र, हिमांशु, बालचंद, अभिषेक अहिरवार, आशीष, मनीष कुमार विशाल सूर्यवंशी आदि कार्यक्रम में उपस्थित थे।

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने दी श्रद्धांजलि

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विश्वविद्यालय में मानविकी एवं समाज विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत की माता जी को श्रद्धांजलि अर्पित की. विगत कुछ दिन पहले श्रीमती मानकी देवी राजपूत का देहावसान हो गया था. उनको श्रद्धांजलि देते हुए कुलपति ने कहा कि माता पिता का आशीर्वाद सदैव साथ रहता है. उनका जाना दु:खद होता है और अपूरणीय क्षति भी. उन्होंने शोकाकुल परिवार को सांत्वना दी.

परशुराम जयंती महाआरती का भव्य आयोजन, विधायक और महापौर ने की पूजा-अर्चना

भोपाल। परशुराम जयंती 2025 के अवसर पर राजधानी भोपाल के चूना भट्टी चौराहे पर एक भव्य महाआरती का आयोजन किया गया। इस पावन अवसर पर विधायक रामेश्वर शर्मा और महापौर मालती राय ने उपस्थित होकर भगवान परशुराम की विधिवत पूजा-अर्चना की और आरती में भाग लिया। परशुराम जयंती महाआरती का यह कार्यक्रम धार्मिक आस्था और सामाजिक एकता का प्रतीक बना। आयोजन स्थल पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री पी.सी. शर्मा, पूर्व निगम परिषद अध्यक्ष कैलाश मिश्रा और पूर्व पार्षद गिरीश शर्मा सहित अन्य गणमान्य नागरिकों ने भी भाग लिया और भगवान परशुराम के चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

भगवान परशुराम जयंती पर महू में हुआ परशुराम प्रकटोत्सव

भगवान परशुराम की जन्मस्थली जानापाव में बनेगा परशुराम धाम : सीएम

दीनबन्धु ■ भोपाल
www.dinbandhunews.com

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि इंदौर जिले में महू के निकट जानापाव सनातन संस्कृति के सात चिरंजीवियों में से एक भगवान श्री परशुराम की जन्मस्थली है। भारत भूमि पर यह एक अद्वितीय स्थल है। जब-जब पृथ्वी पर अधर्म बढ़ा, भगवान परशुराम ने शस्त्र उठाए और अधर्मियों का समूल नाश कर दिया और सनातन संस्कृति की रक्षा की। उन्होंने सनातन समाज को निर्भय होकर जीने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव भगवान परशुराम जयंती पर महू में परशुराम प्रकटोत्सव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने भगवान श्री परशुराम की जन्मस्थली पर पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि के लिए कामना की। उन्होंने कहा कि जानापाव में परशुराम धाम विकसित किया जाएगा। इस अवसर पर केंद्रीय राज्यमंत्री महिला बाल विकास मंत्रालय श्रीमती सावित्री ठाकुर, राज्यसभा सदस्य श्रीमती कविता पाटीदार, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, विधायक सुश्री उषा ठाकुर, विधायक श्री गोलू शुक्ला सहित साधु-संत तथा बड़ी संख्या में पदाधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीराम से लेकर श्रीकृष्ण के काल तक भगवान परशुराम के पराक्रम और उनके शस्त्रों की महत्ता दिखाई देती है। भगवान श्रीराम जब स्वयंवर में पहुंचे तो वहां उन्होंने भगवान परशुराम का धनुष तोड़ा। इसी प्रकार भगवान श्रीकृष्ण के काल में भगवान परशुराम के सुदर्शन चक्र की लीला देखने को मिली। उन्होंने धर्म की रक्षा के लिए अपना प्रिय सुदर्शन चक्र भगवान श्रीकृष्ण को दिया था। भगवान परशुराम कौरव-पांडवों के गुरु द्रोणाचार्य के भी गुरु थे। उन्होंने निडर होकर धर्म की रक्षा का संदेश दिया ।

धर्म और संस्कृति को पल्लवित कर रही प्रदेश सरकार

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि भारत भूमि पर देवी-देवताओं की कृपा है।प्रधानमंत्री श्री नरेन?द्र मोदी के नेतृत्व में देश लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के साथ प्रगति के पथ पर अग्रसर है।केंद्र सरकार देश की रक्षा के लिए हर संभव कदम उठा रही है।हमारी संस्कृति फ्रजियो और जीने दोफ्र पर आधारित है।प्रदेश में सनातन संस्कृति के विकास के लिए राज्य सरकार ने गीता भवनों के निर्माण का संकल्प लिया है।राज्य सरकार धर्म और संस्कृति को पुष्पित-पल्लवित करते हुए आगे बढ़ रही है।गरीब, अन्नदाता (किसान), युवा और नारी कल्याण के लिए 4 मिशन शुरू किए गए हैं।किसानों की समृद्धि के लिए प्रदेश में एक-एक खेत तक सिंचाई के लिए जल उपलब्ध कराने का संकल्प लिया है।मध्यप्रदेश में 2 वृहद नदी जोड़ो परियोजनाओं केन-बेतवा और पार्वती-कालीसिंध-चंबल की शुरुआत हो चुकी है। अब बुंदेलखंड, चंबल, निमाड़ और मालवा के कई जिलों के किसानों को पर्याप्त पानी मिलेगा।

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना आरोग्यता का है वरदानः मुख्यमंत्री

भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आयुष्मान भारत दिवस पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का आभार माना है। उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना ने गुणवत्तापूर्ण, सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाई हैं। इससे जनसामान्य का आर्थिक बोझ कम हुआ है, यह उनके लिए एक प्रकार से आरोग्यता का वरदान है। यह योजना स्वस्थ भारत- समृद्ध भारत की संकल्पना को साकार कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आयुष्मान भारत दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री मोदी के इस अमूल्य उपहार के लिए प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

'अमृतस्य मध्यप्रदेश' से झलकेगी एमपी की सांस्कृतिक विरासत

मुंबई में आज से समिट होगी; फिल्म-पर्यटन से जुड़ी नीतियों पर मंथन होगा

दीनबन्धु ■ भोपाल
www.dinbandhunews.com

वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट-2025 मुंबई में 1 से 4 मई तक होगी। मध्यप्रदेश इस आयोजन में वैश्विक मीडिया, मनोरंजन और रचनात्मक नवाचार केंद्र के रूप में स्थापित करने का प्रयास करेगा। मध्यप्रदेश 'अतुलनीय मध्यप्रदेश' पेवेलियन, 'अमृतस्य मध्यप्रदेश' नृत्य-नाटिका, नई मध्यप्रदेश फिल्म पर्यटन नीति 2025 और नई एवीजीसी-एक्सआर नीति 2025 जैसे नवाचारों के साथ प्रमुख भागीदार रहेगा।

पर्यटन एवं संस्कृति प्रमुख सचिव शिव शेखर शुक्ला ने बताया, मध्यप्रदेश सरकार ने प्रदेश को विश्वस्तर पर अग्रणी पर्यटन राज्य के रूप में स्थापित करने के लिए कई नवाचार किए हैं। इसी क्रम में मध्यप्रदेश की समृद्ध संस्कृति और विरासत को वेव्स के मंच पर प्रदर्शित किया जाएगा। यह एमपी पवेलियन के माध्यम से आगंतुकों को प्रदेश के पर्यटन स्थलों और सांस्कृतिक विरासत से परिचय कराया जाएगा।

वहीं, प्रदेश में फिल्म, एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स और एवीजीसी-एक्सआर के क्षेत्र में संभावनाओं की दृष्टि से हम विभिन्न हितधारकों से जुड़ेंगे। प्रदेश की लोक कला, संस्कृति और आध्यात्मिक स्थलों को आकर्षक समवेत नृत्य प्रस्तुति 'अमृतस्य मध्यप्रदेश' के जरिए विदेश और देश के अतिथियों से जोड़ेंगे। इस अवसर पर मध्यप्रदेश की नई फिल्म पर्यटन नीति 2025 और नई एवीजीसी-एक्सआर नीति-2025 को भी सांझा करेंगे।

नृत्य नाटिका की प्रस्तुति होगी

वेव्स में 2 मई को शाम 4.30 बजे से 'अमृतस्य मध्य प्रदेश' नृत्य नाटिका की प्रस्तुति दी जाएगी। प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, विविधता और पर्यटन स्थलों की खूबसूरती को प्रसिद्ध कोरियोग्राफर मैत्री पहाड़ी के निर्देशन में 100 से अधिक कलाकार अनूठे रूप में दर्शित करेंगे।

बेबाक भापजा प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा का निधन-प्रदेश भर में शोक की लहर

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के बेबाक प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा का हृदय गति रुक जाने के कारण दुखद निधन हो गया है। उनके निधन की खबर से पूरे मध्यप्रदेश में शौक के लहर दौड़ गई है।

मिली जानकारी के मुताबिक नरेंद्र सलूजा बीते दो दिनों से सीहोर के एक रिसॉर्ट में थे। वह यहां पर एक पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पहुंचे थे। जहां उन्हें सीने में दर्द हुआ तो साथ वाले लोगों ने अस्पताल चलने का आगाह किया। लेकिन उन्होंने अनसुना करके एसिडिटी की दवाई खाली और इंदौर के लिए रवाना हो गए। सलूजा इंदौर पहुंचे ही थे, कि उन्हें फिर से दिल का दौरा पड़ा और वह अपने घर पर बेहोश होकर गिर पड़े। परिजन फौरन ही उन्हें पास के एक अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टर ने चेकअप के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। गौरतलब है, कि नरेंद्र सलूजा भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने से पूर्व कांग्रेस के कद्दावर नेता माने जाते थे, और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के काफी करीबी थे। लेकिन दोनों में हुई अनबन के बाद उन्होंने कांग्रेस का हाथ छोड़कर भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया था। भाजपा में शामिल होने के बाद से ही वह प्रतिदिन सोशल नेटवर्किंग साइट के माध्यम से कांग्रेस की सभी गतिविधियों पर नजर रखते थे। और मौका मिलते ही निशाना साधने से नहीं चूकते थे। सलूजा के निधन से इंदौर सहित मध्य प्रदेश में शोक की लहर दौड़ गई है। उनके चाहने वालों के साथ ही भाजपा नेताओं का उनके आवास पर पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश संगठन महामंत्री एवं मीडिया प्रभारी ने जताया शोक

भोपाल, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री श्री हितानंद जी एवं प्रदेश मीडिया प्रभारी श्री आशीष उषा अग्रवाल ने भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता श्री नरेन्द्र सलूजा के दुखद निधन पर शोक व्यक्त किया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री विष्णुदत्त शर्मा ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने एवं परिजनों को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

एम्स भोपाल का ऐप करेगा मुंह के कैंसर की पहचान, एमपीसीएसटी से मिला 7.4 लाख का अनुदान

भोपाल। मुंह के कैंसर की समय रहते पहचान अब और आसान होगी। एम्स भोपाल ने एक ऐसा मोबाइल ऐप विकसित करने की दिशा में कदम बढ़ाया है, जो केवल कुछ मिनटों में ओरल कैंसर और उससे जुड़ी गंभीर स्थितियों की प्रारंभिक स्क्रीनिंग कर सकेगा।इस परियोजना को मध्य प्रदेश काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एमपीसीएसटी) से 7.4 लाख रुपए का अनुसंधान अनुदान प्राप्त हुआ है। जिसकी पहली किस्त 3.7 लाख रुपए जारी की जा चुकी है। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक डॉ. अजय सिंह ने कहा कि यह मोबाइल ऐप डिजिटल तकनीक के माध्यम से जनस्वास्थ्य को नया आयाम देगा।

दो साल चलेगी रिसर्च : यह दो वर्षीय रिसर्च प्रोजेक्ट एम्स भोपाल के ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जरी विभाग के प्रोफेसर डॉ. अंशुल राय के नेतृत्व में किया जा रहा है।इस रिसर्च में रेडिएशन ऑन्कोलॉजी, पैथोलॉजी और सामुदायिक चिकित्सा विभागों के विशेषज्ञ भी शामिल हैं।यह ऐप न केवल कैंसर की आशंका वाले लक्षणों की पहचान करेगा, बल्कि उपयोगकर्ताओं को तंबाकू, सुपारी और धूम्रपान के खतरे समझाकर उन्हें छोड़ने के लिए प्रेरित भी करेगा।यह हैं प्रमुख अनुसंधानकर्ता- डॉ. अंशुल राय, डॉ. सैकत दास, डॉ. दीप्ति जोशी, डॉ. अंकुर जोशी, प्रो. अभिनव सिंह आदि।

17 साल की लड़की से 24 के युवक की हो रही थी शादी

गुना में प्रशासन टीम ने 7 गांवों में बाल-विवाह रूकवाया, 18 के बाद होगी शादी

दीनबन्धु ■ गुना www.dinbandhunews.com

गुना में अक्षय तृतीया के अवसर पर कई जगहों पर बाल विवाह रुकवाए। राघौगढ़ इलाके में 6 गांव और चांचौड़ा इलाके में एक गांव में प्रशासन की टीम ने बाल विवाह रुकवाए। टीम ने 18 वर्ष की उम्र से पहले विवाह न कराने की समझाइश दी। ग्राम कांकरिया के लड़के (24) की शादी घोरला खेड़ा की लड़की से कराई जा रही थी। उसकी उम्र रिकार्ड के अनुसार 17 वर्ष 6 माह मिली। दल ने मौके पर पहुंचकर कानूनी कार्यवाही की जानकारी देकर रुकवाया गया।

लिखित रूप से चेतावनी दी गई की बाल विवाह में किसी भी रूप में शामिल होने पर संबंधित के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई प्रशासन एवं पुलिस द्वारा की जाएगी। लड़के व लड़की दोनों ही पक्षों द्वारा समक्ष में अपने कथन प्रस्तुत किए गए कि उनके द्वारा जब तक बालिका 18 वर्ष की नहीं हो जाती, तब तक विवाह नहीं किया जाएगा।

गांव में पहुंची टीम।

प्रशासन को बांसखेड़ी, मझेरा, बेरवास, गावरी, कोलुआ और रूठियाई आदि जगहों पर अक्षय तृतीया पर बाल विवाह होने की शिकायतें प्राप्त हुई थी। महिला बाल विकास परियोजना अधिकारी संतोष अलावा, पर्यवेक्षक प्रीति मोर्य, सन्तोष विजयवर्गीय, स्थानीय आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, राजस्व और पुलिस की टीम ने गांवों का भ्रमण किया। इन गांवों में नाबालिग लड़कियों की शादी कराई जा रही थी। टीम ने लड़कियों की उम्र के सम्बंध में प्रमाणित दस्तावेज मांगे। दस्तावेज के अनुसार 18 वर्ष पूर्ण नहीं होने पर बाल विवाह अधिनियम, कानूनी कार्यवाही, सजा के प्रावधानों की समझाइश दी गई, तो संबंधित परिवार, रिश्तेदारों ने आपसी सहमति से विवाह नही करने की सहमति दी। सर्व सम्मति से परिवार व रिश्तेदारों ने निर्णय लिया कि दुल्हन की उम्र 18 पूरी नहीं हो जाती, तब तक उसका विवाह नही करेंगे।

बाल विवाह रुकवाए पहुंची टीम।

ऐसा ही एक मामला चांचौड़ा इलाके में आया। ग्राम काकरिया पंचायत बतावदा ब्लॉक चाचौड़ा में बाल विवाह रोकने की कार्यवाही की गई। एसडीएम रवि मालवीय द्वारा गठित टीम मयंक खेमरिया तहसीलदार चाचौड़ा, श्रवण नागले परियोजना अधिकारी महिला, बाल विकास विभाग, पुलिस बल मृगवास के संयुक्त दल द्वारा मौके पर पहुंचकर लड़के एवं लड़के के परिजनों को बाल विवाह न करने कि समझाइश दी गई। महिला बाल विकास विभाग राघौगढ़ जिला गुना के ने क्षेत्र के कई स्थानों पर जाकर बाल विवाह रुकवाए।

आयोजकों को 6-6 हजार दिए,नवविवाहित जोड़ों ने सरकारी सहायता की सराहना की

355 जोड़ों का सामूहिक विवाह: हर जोड़े को मिला 49 हजार का चेक

दीनबन्धु ■ सिरोंज
www.dinbandhun

अक्षय तृतीया पर 30 अप्रैल को सिरोंज की गल्ला मंडी में मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत सामूहिक विवाह हुए। 355 जोड़ों ने फेरे लिए। इनमें 251 हिंदू और 104 मुस्लिम जोड़े शामिल रहे। हिंदू और मुस्लिम विवाह के लिए अलग-अलग टेंट की व्यवस्था की गई थी। नगरीय क्षेत्र की व्यवस्था नगरपालिका और ग्रामीण क्षेत्र की जिम्मेदारी जनपद पंचायत को सौंपी गई थी।

हर जोड़े को 49-49 हजार का चेक मिला

सरकार की ओर से प्रत्येक जोड़े को 49 हजार रुपए का चेक और विवाह प्रमाणपत्र प्रदान दिए गए। इसके अतिरिक्त, प्रति जोड़े के लिए टेंट, भोजन और अन्य व्यवस्थाओं के लिए आयोजकों को 6,000 रुपए दिए गए। नवविवाहित जोड़ों ने सरकारी सहायता की सराहना की। दूल्हा बने शेख शादाब ने कहा कि गरीब परिवारों के लिए 49,000 रुपए की सहायता बहुत मददगार है। दूल्हा बने दीपक कुशवाह ने भी योजना की प्रशंसा की। दुल्हन रजनी ने कहा कि इस सहायता राशि से घरेलू सामान खरीदने में मदद मिलेगी और गरीब परिवारों को शादी की व्यवस्था में राहत मिली है। इस दौरान नगरपालिका के सीएमओ रामप्रकाश साहू, एसडीएम हर्षल चौधरी और एसडीओपी उमेश तिवारी मौजूद रहे।

परिवारों को विवाह की चिंता समाप्त करने वाली हैं मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजनाः डॉ. अमृता

पिपरिया। आज जनपद पंचायत पिपरिया द्वारा मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। जिसमें सामाजिक एवं धार्मिक कार्यकर्ता डॉ. अमृता राजे पलिया सम्मिलित हुए। डॉ. अमृता ने दांपत्य जीवन में प्रवेश कर रहे वर बधू को बधाई एवं शुभकामनाए दी। इस अवसर पर जनपद पंचायत की अध्यक्ष कु. संध्या सिंगारे एवं पार्षद नीतू पांडे व अन्य महिलायें उपस्थित रही।डॉ.

अमृता ने कहा की मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना कई परिवारों की विवाह संबंधित चिंता समाप्त करने वाली योजना है, इस योजना के लिए उन्होंने कहा की वर्तमान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान बधाई के पात्र है। विवाह सम्मेलन कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, पत्रकार एवं आमजन उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री कन्या विवाह कार्यक्रम के लिए जनपद पंचायत की अध्यक्ष कु.संध्या सिंगारे एवं कार्यालय के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को बधाई एवं शुभकामनाए दी। साथ ही उन्होंने आमंत्रण के लिए जनपद पंचायत का आभार व्यक्त किया।

प्रकाशक ,मुद्रक एवं स्वामी दिनेश शर्मा द्वारा ह.न.3,पारस नगर बैरसिया रोड, फैस- II ,करोंद-जिला भोपाल 462038 (म.प्र) से प्रकाशित तथा उमा प्रिंटर्स ओल्ड पोस्ट आफिस जहांगीराबाद भोपाल से मुद्रित।
सम्पादक: दिनेश शर्मा, कार्यकारी संपादक चंद्रहास शुक्ल । (सभी प्रकार के विवादों का निपटारा न्यायालय क्षेत्र भोपाल रहेगा) मोबाइल नम्बर 9425028578